सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 130 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 22 फरवरी 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता के 'मृत्युकुंभ' वाले बयान की सीएम साय ने की निंदा

मुख्यमंत्री ने कहा- यह सनातनियों का अपमान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा महाकुंभ को 'मृत्युकुंभ कहने पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे करोड़ों सनातन धर्मावलंबियों का घोर अपमान करार देते हुए कहा कि ममता बनर्जी की मति भ्रष्ट हो गई है। उन्होंने कहा कि विनाश काले विपरीत बुद्धि! जब व्यक्ति के पतन का समय आता है, तो उसकी बुद्धि भ्रमित हो जाती है। ममता बनर्जी का यह बयान इसी मानसिक पतन का परिचायक है। महाकुंभ करोड़ों सनातन धर्मावलंबियों की आस्था का प्रतीक है, जहां 50 करोड़ से अधिक श्रद्धालु स्नान कर पुण्य अर्जित करते हैं। इसे 'मृत्युकुंभ कहना उनके अज्ञान और अहंकार को दर्शाता है।

बता दें कि पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने प्रयागराज महाकुंभ को 'मृत्युकुंभ कहकर संबोधित किया था। जिसके बाद हिंदू समाज में भारी आक्रोश फैल गया है। उनके इस बयान का चौतरफा विरोध हो रहा है और इसे सनातन संस्कृति पर हमला बताया जा रहा है। मुख्यमंत्री साय ने एक राष्ट्रीय समाचार चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा कि ममता बनर्जी का यह बयान न केवल सनातन धर्म का अपमान है, बल्कि यह उन करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत करने का कुत्सित प्रयास भी है, जो आस्था के इस महासंगम में शामिल होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का जीवंत उदाहरण है। इतिहास गवाह है कि महाकुंभ के दौरान समाज में बौद्धिक और आध्यात्मिक क्रांति आई है। ऐसे पवित्र आयोजन को अपमानजनक संज्ञा देना निंदनीय और अस्वीकार्य है।

खास-खबर

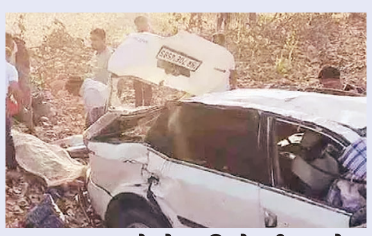

महाकुंभ जा रहे दो यात्रियों की हादसे में मौत, कोंडागांव में हुआ हादसा, बेंगलुरू का है परिवार, चार घायल

कोंडागांव। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में शनिवार को प्रयागराज महाकुंभ जा रही एक कार के पुलिया से गिर जाने से एक ही परिवार के दो लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। हादसा सुबह 6:30 से 7 बजे के बीच की बताई जा रही है। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पीएम के लिए भेजा और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

मिली जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर फरसगांव पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत बोरगांव के पास सुबह करीब 6.45 बजे हादसा हो गया। हादसे का शिकार परिवार बेंगलुरू का है। एक ही परिवार के सदस्य दो कारों में सवार होकर प्रयागराज जा रहे थे। कोंडागांव पहुंचने के बाद बोरगांव में कार के चालक ने मोड़ पर वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और कार सड़क से फिसलकर एक छोटी पुलिया से नीचे गिर गई और एक पेड़ से जा टकराई। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। एक राहगीर ने एम्बुलेंस बुलाई और पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

प्रचार कर घर लौटे जनपद सदस्य प्रत्याशी की हुई मौत

जशपुर। पत्थलगांव जनपद क्षेत्र क्रमांक संख्या 06 से जनपद पंचायत सदस्य (बीडीसी) के पद पर चुनाव लड़ रहे एक प्रत्याशी की प्रचार के बाद घर लौटने पर हृदयाघात से मौत हो गई। अचानक मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। दरअसल, पत्थलगांव के बूढ़ाडाड़ निवासी संजय लहरे जनपद पंचायत सदस्य के पद के लिए चुनावी मैदान में थे। चुनाव से एक दिन पहले हृदयघात से निधन हो गया। तीसरे चरण का कल 23 फरवरी को चुनाव है इस क्षेत्र से चुनावी मैदान में कुल 9 उम्मीदवारों में शामिल थे।

स्वच्छता कर्मियों के लिए सरकार ने खोला राहत का पिटारा

आठ घंटे काम, रोटेशन पर मिलेगा साप्ताहिक अवकाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सफाई कर्मचारियों के लिए सरकार ने राहत का पिटारा खोल दिया है। लंबे समय से लंबित सफाई कर्मियों की मांगों पर सरकार ने ध्यान दिया है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने मिशन क्लीन सिटी के अंतर्गत नगरीय निकायों में कार्यरत स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों को बड़ा तोहफा देते हुए उनके लिए कई नई सुविधाएं शुरू करने की घोषणा की है। सरकार अब सफाई कर्मियों को आठ घंटे की कार्यावधि के साथ ही रोटेशन के आधार पर प्रति सप्ताह एक छुट्टी देने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही महीने में एक दिन का सवैतनिक आकस्मिक अवकाश देने का निर्णय भी लिया गया है। सभी स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों का श्रम विभाग में पंजीयन कराकर विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान करने के भी निर्देश दिए हैं। इस संबंध में सभी निकायों को दिशा निर्देश जारी किया जा चुका है।

नगरीय प्रशासन विभाग ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए नगरीय निकायों में लागू 'मिशन क्लीन सिटी' के तहत निर्मित अधोसंरचना तथा स्वसहायता समूहों के संचालन एवं संधारण के लिए वर्ष 2016 में जारी निर्देशों को संशोधित कर नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। ये नए दिशा-निर्देश रायपुर, भिलाई और रिसाली को छोड़कर शेष सभी नगर निगमों तथा सभी नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में लागू होंगे। निकायों में कार्यरत विभिन्न स्वसहायता समूहों की मांगों पर संवेदनशीलता से विचार करते हुए उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने नगर निगम आयुक्तों तथा नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को इस संबंध में परिपत्र जारी कर नए निर्देशों का कड़ाई से पालन करने को कहा है। सभी क्षेत्रीय संयुक्त संचालकों को समय-समय पर निकायों का भ्रमण कर इन निर्देशों का पालन किया जाना प्रतिवेदित करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सुविधानुसार निर्धारित कर सकेंगे आठ घंटे की कार्यावधि

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार स्वच्छता दीदियों व सफाई मित्रों की कार्यावधि आठ घण्टे निर्धारित की गई है। निकाय सुविधानुसार प्रातः छह बजे से दोपहर तीन बजे (एक घण्टे का भोजन अवकाश मिलाकर) या प्रातः सात बजे से शाम चार बजे तक कार्यावधि निर्धारित कर सकते हैं। विशेष अवसरों के अतिरिक्त निर्धारित कार्यावधि से अधिक कार्य कराया जाना प्रतिबंधित होगा। निकायों में प्रत्येक स्वच्छता दीदी/सफाई मित्र का कार्य रोस्टर स्वसहायता समूह द्वारा इस प्रकार तैयार किया जाएगा कि प्रत्येक सदस्य को रोटेशन आधार पर एक साप्ताहिक अवकाश अनिवार्यतः प्राप्त हो सके। नगरीय निकायों को इस बात का ध्यान रखने कहा गया है कि सभी सदस्यों का साप्ताहिक अवकाश एक ही दिन न पड़े, जिससे डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण एवं निपटान का कार्य प्रभावित न हो, तथा मणिकंचन केन्द्र में कचरे का जमाव न होने लगे।

सुविधानुसार निर्धारित कर सकेंगे आठ घंटे की कार्यावधि

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार स्वच्छता दीदियों व सफाई मित्रों की कार्यावधि आठ घण्टे निर्धारित की गई है। निकाय सुविधानुसार प्रातः छह बजे से दोपहर तीन बजे (एक घण्टे का भोजन अवकाश मिलाकर) या प्रातः सात बजे से शाम चार बजे तक कार्यावधि निर्धारित कर सकते हैं। विशेष अवसरों के अतिरिक्त निर्धारित कार्यावधि से अधिक कार्य कराया जाना प्रतिबंधित होगा। निकायों में प्रत्येक स्वच्छता दीदी/सफाई मित्र का कार्य रोस्टर स्वसहायता समूह द्वारा इस प्रकार तैयार किया जाएगा कि प्रत्येक सदस्य को रोटेशन आधार पर एक साप्ताहिक अवकाश अनिवार्यतः प्राप्त हो सके। नगरीय निकायों को इस बात का ध्यान रखने कहा गया है कि सभी सदस्यों का साप्ताहिक अवकाश एक ही दिन न पड़े, जिससे डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण एवं निपटान का कार्य प्रभावित न हो, तथा मणिकंचन केन्द्र में कचरे का जमाव न होने लगे।

सभी सफाई कर्मियों का श्रम विभाग में होगा पंजीयन

राज्य शासन ने मिशन क्लीन सिटी के अंतर्गत कार्यरत् सभी सदस्यों का पंजीयन श्रम विभाग के पोर्टल पर अनिवार्यतः कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही श्रम विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं तथा जीवन बीमा, मेडिकल क्लेम आदि का सम्पूर्ण लाभ सभी सदस्यों को दिलाने निकाय प्रमुख को प्राथमिकता से सुनिश्चित कराने को कहा है। परिपत्र में कहा गया है कि मिशन क्लीन सिटी अंतर्गत नियोजित मानव बल का कार्य डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण एवं निपटान की कार्यवाही करना है। किंतु कुछ निकायों द्वारा इनसे स्ट्रीट स्वीपिंग, नाली सफाई एवं अन्य प्रकृति के कार्य कराए जा रहे हैं। नगरीय प्रशासन विभाग ने सभी निकायों को निर्देशित किया है कि मिशन क्लीन सिटी अंतर्गत नियोजित स्वच्छता दीदी व सफाई मित्रों से योजना के दिशा-निर्देशों के अतिरिक्त अन्य प्रकृति के कार्य कराए जाने पर पूर्णतः प्रतिषेध होगा। निर्देशों के उल्लंघन पर जिम्मेदारी का निर्धारण कर कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

तीन माह में एक बार स्वास्थ्य परीक्षण कराने का निर्देश

नगरीय प्रशासन विभाग ने मिशन क्लीन सिटी के अंतर्गत नियोजित सभी मानव बल का मासिक स्वास्थ्य परीक्षण मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट में अनिवार्यतः कराया जाना सुनिश्चित करने को कहा है। प्रत्येक तीन माह में सभी सदस्यों का ब्लड टेस्ट, थॉयरॉइड टेस्ट, बीपी व शुगर टेस्ट, यूरीन टेस्ट, यूरीन कल्चर, यूरिक एसिड, एल्यूमिन टेस्ट, एलडीएच टेस्ट, टोटल कोलेस्ट्रॉल टेस्ट, वीएचडीएल टेस्ट एवं टीएचएस टेस्ट भी कराया जाएगा। इसके लिए जिला मुख्यालय के निकाय जिले के अन्य निकायों से समन्वय कर कैम्प प्लान तैयार कर कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे।

सफाई कर्मियों को मिलेंगे सुरक्षा सामान

राज्य शासन ने मिशन क्लीन सिटी के दिशा-निर्देशों के अनुसार मणिकंचन केन्द्रों में सफाई मित्रों को सेहत की सुरक्षा और काम में सहूलियत के लिए विभिन्न सामग्रियां निःशुल्क उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सफाई मित्रों को हर वर्ष पहचान पत्र, पुरूषों की वर्दी के लिए हरे रंग की दो टी-शर्ट, महिलाओं की वर्दी के लिए दो साड़ियां, दो एपेरन और एक रेनकोट प्रदान किया जाएगा। साथ ही हर तीन महीने में चार जोड़ी रबर के दस्ताने और चार जोड़ी कपड़े के दस्ताने, प्रत्येक दो माह में छह जोड़ी मोजे और छह मास्क, हर छह महीने में दो जोड़ी कपड़े के जूते और दो टोपियां दी जाएंगी। कंपोस्ट शेड में काम करने वाले सफाई मित्रों को प्रति वर्ष एक जोड़ी गमबूट भी प्रदान किए जाएंगे।

माह में एक दिन आकस्मिक अवकाश, नहीं कटेगा वेतन

राज्य शासन ने स्वच्छता दीदियों व सफाई मित्रों के हितों को ध्यान रखते हुए माह में एक दिन का सवैतनिक आकस्मिक अवकाश प्रदान करने का निर्णय लिया है। हर एसएलआरएम माहवार प्रत्येक सदस्य के अवकाश का लेखा-जोखा संधारित करते हुए रजिस्टर में इंद्राज करेंगे तथा कटौती की गई राशि से ही वर्ष में एक बार राशि उपलब्धता के आधार पर बोनस राशि यथासंभव प्रदान की जाएगी या प्रत्येक सेंटर से उत्कृष्ट कार्य करने वाले एक सदस्य को विशेष दिवस पर इस राशि से सम्मान स्वरूप राशि या पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

यूथ कांग्रेस नेता ने बीच-सड़क काटा केक...हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

चीफ जस्टिस ने मुख्य सचिव से मांगा शपथपत्र, पूछा- क्या कार्रवाई की गई

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। रायपुर में यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष के बीच सड़क पर जन्मदिन मनाने और केक काटने को लेकर हाईकोर्ट ने सुनवाई शुरू की है। इस मामले में राज्य सरकार पर नाराजगी जताते हुए चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने मुख्य सचिव से शपथपत्र मांगा है। शासन से पूछा, कि सड़क पर जन्मदिन मनाने वाले नेता पर क्या कार्रवाई की गई है।

बता दें कि रायपुर यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने भी बीच सड़क पर केक काटकर जन्मदिन मनाया था। विनोद कश्यप उर्फ भक्कू के समर्थकों ने बीते रविवार की रात जमकर आतिशबाजी की और फिर हंगामा मचाया। इस बीच लोग परेशान होते रहे। इसका भी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। हाईकोर्ट ने पहले भी रायपुर में रसूखदार कारोबारी के बेटे के जन्मदिन पर इस तरह से केक काटने को लेकर नाराजगी जताई थी और सरकार से जवाब मांगा था। हाईकोर्ट के सवाल पर शासन की ओर से वकील ने बताया, कि मामले में अपराध दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। कांग्रेस नेता की गिरफ्तारी कर ली गई है। इस जवाब के बाद हाईकोर्ट ने प्रदेश के मुख्य सचिव से सभी प्रकरण में एक लिखित शपथ पत्र पेश करने कहा है।

रिटायर्ड शिक्षक की सड़क हादसे में हुई मौत

भिलाई। भिलाई नगर थाना अंतर्गत बीएसपी के रिटायर्ड शिक्षक और सेक्टर-6 चर्च के सीनियर पास्टर की सड़क हादसे में मृत्यु हो गई। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। देर शाम रायपुर के नारायण अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसा शुक्रवार की सुबह हुआ। डीबी नंद किसी काम से पंथी चौक से होकर गुजर रहे थे। उस दौरान अज्ञात वाहन की चपेट में आने से गंभीर रूप से चोटिल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें सेक्टर-9 अस्पताल में भर्ती कराया, जहां तबीयत बिगड़ने पर परिजन उन्हें रायपुर के नारायण हॉस्पिटल ले गए, जहां देर शाम उनका निधन हो गया। वे मूलतः धमतरी के बसना में खुर्सीपार के रहने वाले थे।

कहां से आया नोट पर गांधी का मुद्दा

श्रीकंचनपथ

महात्मा गांधी एक ऐसी शख्सियत है जिससे भारतीय राजनीति चाहे जितना पीछा छुड़ाना चाहे, वह उतनी ही जोर से चिपक जाती है। बार-बार कोई न कोई ऐसा मुद्दा आता है जिसपर सोशल मीडिया पर जमकर बहस होती है। देश में स्वच्छता अभियान चला तो गांधीजी का चश्मा वहां भी नजर आया। स्वच्छता अभियान की शुरुआत 2 अक्टूबर, 2014 को हुई थी। गांधीजी स्वच्छता के बहुत बड़े पैरोकार थे। उन्होंने अपने जीवन में स्वच्छता के महत्व को दिखाया था। नाले से लेकर संडास तक की सफाई कर गांधी जी ने एक साथ दो सपाट संदेश दिये थे। पहला तो यह कि सफाई के लिए खुद गंदगी में उतरना पड़ सकता है। दूसरा यह कि सफाई किसी जाति विशेष की जिम्मेदारी नहीं है। संभवतः इसीलिए गांधीजी के चश्मे को स्वच्छ भारत अभियान का प्रतीक बनाया गया है। इस अभियान ने गांधीजी को कांग्रेस की टोली से हटाकर सार्वजनिक भी कर दिया। उधर सोशल मीडिया पर बहस चलती रही। सोशल मीडिया पर गांधी को मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए जिम्मेदार बताया जाता रहा। इसपर भी बहस हुई। गांधी को चुनावी राजनीति से अलग-थलग करने के कई मुद्दे इसके बाद भी सोशल मीडिया पर आए और लोगों ने उसपर जमकर बहस भी की। पिछले दिनों एक और मुद्दा गांधीजी को लेकर सामने आया। यह मुद्दा था कि भारतीय करेंसी नोटों से महात्मा गांधी की तस्वीर को अलविदा कहने का। रिजर्व बैंक के हवाले से चलाई गई इस खबर में अपने आप ही कुछ मुद्दे और जुड़ गए। किसी ने इसमें एक तुक्का यह और जोड़ दिया कि गांधी की बजाय इसपर अब सावरकर की तस्वीर छपेगी। फिर कहीं से यह खबर भी आकर इसमें जुड़ गई कि इसपर तीन महान नेताओं की तस्वीरें छपेंगी। यह भी कहा गया कि इससे जुड़ा एक प्रस्ताव सरकार के पास है। बाद में फैक्ट फाइंडिंग टीम्स ने इस खबर को सिरे से नकार दिया। पर इस बीच शुरू हो चुकी बहस काफी आगे बढ़ चुकी थी। आखिर इस तरह की खबरें अथवा मुद्दे समय-समय पर क्यों उछाले जाते हैं? कहीं ऐसा तो नहीं कि इस तरह की खबरें जान बूझकर सोशल मीडिया पर उछाली जाती हैं? इन मुद्दों पर होने वाली बहसें विचारों के ध्रुवीकरण का काम करती हैं। ऐसे मुद्दों पर कई और मुद्दे स्वतः चिपक जाते हैं। कभी-कभी तो इसका पता लगाना भी मुश्किल हो जाता है कि बहस की शुरुआत कहां से हुई थी। दरअसल, सोशल मीडिया पर उठाए गए इन मुद्दों पर आने वाली प्रतिक्रिया देश के मूड की झलक दिखाती है। इससे राजनीति के रणनीतिकारों को अपना अगला कदम तय करने में मदद मिलती है। मुद्दा पिट गया तो उसे छोड़ दिया जाता है पर यदि मुद्दा चल पड़ा तो देर सबेर उसका राजनीति में शामिल होना तय हो जाता है। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आगे जाकर इन खबरों पर फेक न्यूज का ठप्पा लग जाता है।

संपादकीय

दिल्ली में महिला सीएम का साफ संदेश है

किसी भी राजनीतिक दल के लिए कार्यकर्ता ही सबसे ज्यादा अहम होते हैं, वह पार्टी की नींव होते हैं, पार्टी की नींव मजबूत होती है तो पार्टी की इमारत मजबूत रहती है। उसे चुनाव जीतने में आसानी होती है। समझदार नेता वह होता है जो कार्यकर्ताओं को जब भी मौका मिलता है,यह संदेश देने में सफल होता है कि कार्यकर्ताओं का पार्टी में बड़ा महत्व है। पार्टी के लिए जी जान लगाकर जो काम भी दिया गया वह काम करने वाले कार्यकर्ताओं का बड़ा महत्व है। किसी पद की कामना किए बिना निरंतर काम करनेवाले कार्यकर्ताओं का पार्टी सबसे ज्यादा महत्व देती है। जब भी मौका मिलता है कि पार्टी के कार्यकर्ता को कोई बड़ा पद देकर यह साबित भी करता है कि हम सिर्फबात ही नहीं करते हैं सामान्य कार्यकर्ताओं को बड़ा पद भी देते हैं।

> ***भाजपा में पीएम मोदी ने ऐसा करके कार्यकर्ताओं को काम करने के लिए निरंतर उत्साहित किया है, प्रेरित किया है। दूसरे दलों में भले ही यह उदाहरण न मिले की सामान्य कार्यकर्ता भी सीएम बन सकता है, मंत्री बन सकता है। मेयर बन सकता है लेकिन भाजपा में केंद्र से लेकर राज्य तक इस बात के अनेक उदाहरण मिलते हैं, इसलिए भाजपा के कार्यकर्ता इस बात की उम्मीद करते हैं कि एक दिन उनको भी कोई बड़ा पद उनके काम के कारण मिल सकता है।पीएम मोदी ने दिल्ली का सीएम रेखा गुप्ता को बनाकर जो संदेश दिया है, उसके अनेक मायने निकाले जा सकते हैं जो जिस तरह चाहे उनका मायने निकाल सकता है। भाजपा पर अब तक आरोप लगाया जाता था कि वह महिलाओं के सशक्तीकरण की बात तो बहुत करती है लेकिन किसी राज्य में अब तक महिला सीएम नहीं बना पाई है। दिल्ली मे रेखा गुप्ता को सीएम बनाने के बाद अब कोई भाजपा पर यह आरोप नहीं लगा पाएगा।***

कोई दिल्ली सीएम बनाने के पीछे जाति ढूंढना चाहे तो भाजपा ने वैश्य को सीएम बनाकर दिल्ली में प्रभावी वैश्य समुदाय को आश्वस्त किया है कि केजरीवाल सीएम नहीं रहे तो क्या हुआ भाजपा की वैश्य सीएम भी आपकी ही सीएम है। भाजपा को हर चुनाव में महिलाओं का ज्यादा वोट मिलता रहा है, दिल्ली में भी भाजपा की जीत में महिलाओं की भूमिका अहम थी, इसलिए महिला को सीएम बनाकर भाजपा ने महिलाओं को यह संदेश दिया है कि भाजपा ही उनके सशक्तीकरण के लिए हमेशा काम करती है। भाजपा ही महिलाओं को सशक्त बनाने का काम करती है।राजनीतिक तौर पर देखा जाए तो वह देश की आबादी का पचास प्रतिशत होती है, इसलिए किसी भी चुनाव में हार जीत मे उनकी बड़ी भूमिका होती है। पीएम मोदी ने कई योजनाएं इसीलिए महिलाओं को नजर में रखकर बनाई हैं और उनको लाभ पहुंचाया है, इसलिए महिलाओं के लिए मोदी सबसे भरोसे के नेता है, उन्होंने महिलाओं के लिए जो कुछ कहा है वह किया भी है। इसका लाभ हर चुनाव में भाजपा को मिलता है।

मोदी ने किसी तो किसी पद के योग्य समझने के लिए कई पैमाने बनाए हैं,उनमें एक पैमाना है कि उसने संघ में काम किया है या नहीं, संघ से उसका जुड़ाव रहा है या नहीं, भाजपा के संगठन में कई पदों पर काम किया है या नहीं। हाल ही में चाहे मप्र हो, राजस्थान हो या छत्तीसगढ़, हरियाणा हो वहां जिनको सीएम बनाया गया है वह सब संगठन में काम करने वाले व संघ से जुड़े हुए लोग हैं। रेखा गुप्ता भी संघ से जुड़ी रही है, उन्होंने राजनीति की शुरुआत एबीवीपी से की, संगठन के कई पदों पर काम किया, पार्षद का चुनाव जीती, मेयर बनी, दो बार विधायक का चुनाव हार गई। तीसरी बार विधायक का चुनाव जीती तो सीधे उनको सीएम बना कर संदेश दिया गया कि काम करने वालों व हार न मानने वालों की भाजपा में कदर है। चुपचाप काम करने वालों को भाजपा में जब काम करने का फल मिलता है तो उनको तो खुशी होती है, भाजपा में काम करने वालों को उम्मीद रहती है कि हमको भी कभी इसी तरह बड़ा पद मिल सकता है।

संघ से जुड़ा होना पीएम मोदी के लिए इसलिए मायने रखता है कि वह जानते हैं कि जो भी संघ से होकर आएगा, वह बड़े पद पर कोई गलत काम नहीं करेगा, न वह खुद भ्रष्टाचार करेगा और न दूसरों को करने देगा। संघ नेताओं को अच्छे संस्कार देता है, इसीलिए भाजपा में संघ से जितने नेता गए हैं,उनका दामन किसी भी पद पर रहने के बाद भी साफ है। देश के दूसरे तमाम राजनीतिक दलों के नेताओ को अच्छा संस्कार देने वाला कोई संगठन नहीं इसलिए वहां पद पाते ही नेता भ्रष्ट हो जाते और सोचते हैं कि सत्ता मिली है तो क्यों न भ्रष्टाचार कर पैसा बनाया जाए। यही वजह है ऐसे परिवारवादी दलों ने पैसा तो बहुत कमाया लेकिन काम से नाम नहीं कमाया है. देश में उनको उनके भ्रष्टाचार के कारण याद किया जाता है और भाजपा में नेताओं को उनके पैसे के लिए नही काम के लिए याद किया जाता है।

मोदी भी चाहते तो दिल्ली में सबसे ज्यादा शोर प्रवेश शर्मा को सीएम बनाने के लिए था, वह पूर्व मंत्री के पुत्र थे, पूर्व सीएम केजरीवाल को हराने वाले थे लेकिन मोदी ने उनको दिल्ली के सीएम पद के लायक नहीं समझा, वह प्रवेश वर्मा को सीएम बनाते तो यह संदेश जाता कि मोदी ने परिवारवाद को बढ़ावा दिया। प्रवेश वर्मा को मंत्री बनाया गया है ताकि उनको ऐसा न लगे कि उनकी उपेक्षा की गई। एक सिक्ख मंत्री बनाकर दिल्ली के सिखों को भी खुश करने का प्रयास किया गया है। यह सब इसलिए किया गया है ताकि 27 साल दिल्ली की सत्ता पर लौटी भाजपा अब 27 साल तक दिल्ली में शासन करे। लोग भाजपा का मजाक उड़ाया करते थे कि उसके पास तो सीएम का कोई चेहरा नहीं है। भाजपा ने चुनाव के बाद साबित किया है कि उसके पास चुनाव के पहले भले कोई चेहरा न हो लेकिन चुनाव के बाद उसके पास चेहरों की कमी नहीं होती है। एक से बढ़कर एक सीएम के चेहरे होते हैं। भाजपा में किसी को पता नहीं रहता कि सीएम कौन बनेगा जबकि परिवारवादी दलों में परिवार का व्यक्ति ही सीएम बनता है। सबको मालूम रहता है कि चुनाव जीतने के बाद कौन सीएम बनेगा।

भारत-अमेरिका मैत्री से विकास के नये रास्ते खुलेंगे

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाल में सम्पन्न हुई अमेरिका की दो दिवसीय यात्रा अनेक दृष्टियों से ऐतिहासिक, अविस्मरणीय एवं मील का पत्थर बनकर प्रस्तुत हुई है। यह निश्चित है कि मोदी के नेतृत्व में एक नई सभ्यता और एक नई संस्कृति गढ़ी जा रही है। व्हाइट हाउस में संपन्न प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बातचीत कई मायनों में सकारात्मक एवं परिणामकारी रही। उसमें किसी तरह की तल्खी नजर नहीं आई, बल्कि मोदी-ट्रंप की दोस्ती ही नये विश्वास एवं संकल्प के साथ उभर कर सामने आयी है। यह निर्विवाद सत्य है कि अमेरिका हमेशा अपने कारोबारी हितों को ही प्राथमिकता देता है। इस मुलाकात में यही नजर आया कि ट्रंप दोनों देशों के व्यापार संतुलन का पलड़ा अमेरिका के पक्ष में करने को कटिबद्ध है। लेकिन मोदी ट्रंप की चतुराई को भी अपनी सादगी एवं सरलता से मात देते हुए भारत के हित में अनेक समझौते कर लिये हैं। यह तथ्य सर्वविदित है कि अमेरिका की नीतियां 'अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका' पर ही समाप्त हो जाती हैं। दूसरी बार सत्ता में आए ट्रंप ने जिस आक्रामक तरीके से कनाडा, मैक्सिको व चीन आदि पर टैरिफ लगाए हैं, वैसी आक्रामकता उन्होंने भारत के प्रति नहीं दिखायी। यह अमेरिका की भारत के प्रति एक विशेष दृष्टि मोदी के प्रभाव का ही परिणाम है।

ट्रंप ने मोदी को अपनी तुलना में बेहतर सख्त वार्ताकार बताया। दोनों नेताओं ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दुगुना करने तथा लाभप्रद व्यापार समझौते के लिये बातचीत करने का संकल्प भी जताया। भविष्य में व्यापार समझौता अमेरिका के पक्ष में न झुके, इसके लिये प्रधानमंत्री मोदी ने कूटनीतिक कौशल का इस्तेमाल किया। भारत को नया बनने के लिए, स्वर्णिम बनाने के लिए, अनूठा बनाने के लिए और उसे विश्व की एक बड़ी ताकत के रूप में उभारने के लिये मोदी के प्रयास अनूठे भी हैं और विलक्षण भी हैं। यहां उल्लेखनीय है कि मोदी-ट्रंप मुलाकात में रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में बातचीत सकारात्मक रही। दोनों देशों ने एक दस वर्षीय रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। जिसमें प्रमुख हथियारों और प्लेटफार्मों के सह-उत्पादन को आगे बढ़ाने की महत्वाकांक्षी योजना का मार्ग प्रशस्त किया गया। वहीं दूसरी ओर यदि भारत को अमेरिकी एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमानों की प्रस्तावित आपूर्ति परवान चढ़ती है तो पड़ोसी देशों की बेचैनी और बढ़ जाएगी और भारत की ओर देखने की उनकी हिम्मत नहीं होगी। मोदीजी का जादू एक बार फिर सिर चढ़कर बोला है। मोदी की इस यात्रा के पीछे इरादा केवल भावनात्मक रिश्तों की बुनियाद को मजबूत करना नहीं रहा है, बल्कि भारत के हक में अमेरिकी नीतियों को प्रभावित करने के लिए उनका सहयोग पाने की मंशा भी रहा है, जो सफल हुआ। संभव है इससे भारत और अमेरिका दोनों ही देशों में विकास के नये रास्तें खुलेंगे।

इस यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण घोषणा यह भी रही है कि 26/11 के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी गई है। यह पाकिस्तान को चेतावनी भी है कि वह अपनी जमीन से आतंकवादियों को सीमापार आतंकी हमलों को अंजाम देने में मदद बंद करे। अब इस्लामाबाद पर मुंबई और पठानकोट के आतंक हमलों के साजिशकर्ताओं को सजा देने का दबाव भी बढ़ जाएगा। निस्संदेह, ट्रंप का 'टैरिफ आतंकवाद' निगलने वाली कड़वी गोली हो सकती है, लेकिन भारत की रक्षा तैयारियों में अमेरिका की बड़ी भूमिका एक आकर्षक प्रस्ताव होगा, जिससे भारत सैन्य मोर्चे पर सशक्त होकर उभरेगा। ट्रंप के साथ मुलाकात में भारत ने अवैध रूप से आए भारतीयों को वापस लेने की बात भी कही। पत्रकार वार्ता में मोदी ने कहा कि इस मुद्दे पर हमारे विचार एक जैसे हैं। यदि अमेरिका में अवैध भारतीय प्रवासियों की पुष्टि होती है तो हम उन्हें वापस लेने के लिये तैयार हैं। उन्होंने इसे मानव तस्करों की करतूत बताया।

मोदी की यह यात्रा दो बहुत अच्छे दोस्तों की बहुत ही नाजूक समझौतेवादी भूमिका को देखने का एक दिलचस्प एवं रोमांचक मौका बनी, प्रतिकूल लगते हालात को अनुकूल नतीजों की ओर मोड़ने का कौशल भी इस यात्रा में बेहतरीन अंदाज में नजर आया। दोनों नेता न केवल पहले से एक-दूसरे को अच्छी तरह से जानते रहे हैं बल्कि उनके बीच की व्यक्तिगत मित्रता एवं आत्मीयता भी चर्चित रही है। यह सुखद संयोग है कि दोनों नेता दुनिया के सबसे बड़े पुराने और सबसे विशाल लोकतंत्र के राष्ट्राध्यक्ष हैं। अमेरिका को पहले से ही दुनिया ग्लोबल लीडर मानती रही है। अब भारत नया और उभरता हुआ विश्वनेता बना है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की जोड़ी से दुनिया पर नये तरीके से आधिपत्य बदलता दिख रहा है। दोनों देशों के लगातार बेहतर होते रिश्तों की पृष्ठभूमि इस तथ्य को और महत्वपूर्ण बना रही थी। फिर भी यात्रा से पहले के घटनाक्रम ने इसकी कामयाबी पर भले ही संदेह की परतें चढ़ा रखी थी, लेकिन मोदी की कुशलता एवं कूटनीति से सभी वार्ताएं सौहार्दपूर्ण होकर सकारात्मक बनी। जिससे भारत एक बार फिर दुनिया के सामने सशक्त एवं ताकतवर बनकर ही प्रस्तुत हुआ है।

ट्रंप के कतिपय सख्ती से बने तनाव को मोदी ने हावी नहीं होने दिया। प्रधानमंत्री मोदी पूरी तरह से अपने अजेंडे पर केंद्रित रहे। उन्होंने न केवल ट्रंप की तारीफ की बल्कि राष्ट्रपति ट्रंप के प्रिय नारे 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (एमएजीए) की तर्ज पर अपना नारा पेश किया- 'मेक इंडिया ग्रेट अगेन' (एमआईजीए), और यह भी कहा कि जब एमएजीए और एमआईजीए साथ आते हैं तो बन जाता है एमईजीए जो दोनों देशों की शानदार साझेदारी की कहानी कहता है। इस तरह दोनों देश ने दुनिया के बॉस होते हुए अपने वर्चस्वी होने को व्यक्त किया। अमेरिका तो इस भूमिका में रहा है, लेकिन अमेरिका भारत को भी इस भूमिका में मानता है तो निश्चित ही यह भारत की दुनिया में मजबूत होती स्थिति को ही बयां कर रहा है। अब दुनिया के हर विवादों को सुलझाने में भारत-अमेरिका की संयुक्त एवं भूमिका महत्वपूर्ण होने से भारत की ताकत को समझा जा सकता है। निश्चित रूप से दोनों देशों के बीच के कई समीकरण आने वाले दिनों में नया आकार लेंगे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा ने इस उम्मीद को ठोस आधार दे दिया है कि सहयोग के स्वरूप में जो भी बदलाव हो, रिश्ता बेहतर ही होता जाएगा। मोदी की इस अमेरिका यात्रा की अहमियत जाहिर है और इसे संभावनाभरा भी माना जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद यह अमेरिका का उनका पहला सफर है। ट्रंप के साथ वाइट हाउस में मोदी की मुलाकात ने यही जताया कि दोनों नेताओं एवं देशों के संबंधों को और प्रगाढ़ करने की ललक दोनों तरफ है।

भारतीय प्रधानमंत्री की अमेरिकी राष्ट्रपति से मुलाकात पर देश ही नहीं, दुनिया की भी निगाहें थीं। एक तो इसलिए कि मोदी उन चुनिंदा शासनाध्यक्षों में से एक हैं, जिनसे डोनाल्ड ट्रंप ने प्रारंभिक दौर में ही मुलाकात करना बेहतर समझा और दूसरे इसलिए कि भारत अब एक बड़ी ताकत बन चुका है और वैश्विक मामलों में उसका रुख-रवैया एवं नीतियां मायने रखती है। इस मुलाकात को लेकर जिज्ञासा का एक कारण यह भी था कि बाइडन प्रशासन के समय अमेरिका और भारत के संबंधों में एक खिंचाव आ गया था। एक अर्से से यह महसूस किया जा रहा था कि बाइडन प्रशासन भारतीय हितों की वैसी चिंता नहीं कर रहा है, जैसी करनी चाहिए। मोदी और ट्रंप की मुलाकात ने यह तो रेखांकित किया कि दोनों देशों के संबंधों में गर्मजोशी लौट आई है, लेकिन अभी यह नहीं कहा जा सकता कि अमेरिका भारत की समस्त चिंताओं का समाधान करने जा रहा है, लेकिन इसे नकारा भी नहीं जा रहा है। ट्रंप ने बांग्लादेश के मामले में भारत के मन मुताबिक बात कहकर, सीमा पार यानी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से मिलकर लड़ने का वादा किया। कुल मिलाकर विकसित भारत के लक्ष्य में सहायक बनने वाले विभिन्न क्षेत्रों में अमेरिका से सहयोग की राह प्रशस्त होना भारत के लिये एक नये सूरज का उदय ही कहा जायेगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

नेताओं और नौकरशाहों की जिम्मेदारी के बगैर भ्रष्टाचार को मिटाना असंभव

योगेंद्र योगी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद में कहा था कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए एजेंसियों को खुली छूट दे दी है और इसमें सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचार एक दीमक है जिसने देश को खोखला कर दिया है और वह देश को इस बुराई से मुक्त करने के लिए पूरे मनोयोग से काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के इस दृढ़निश्चय के बावजूद भारत में भ्रष्टाचार कैंसर की तरह फैलता जा रहा है। केंद्र की भाजपा सरकार हो या राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें, सभी भ्रष्टाचार के विरुद्ध बड़े दावे-वादे करती रहीं हैं, किन्तु यह समस्या सुरसा के मुंह की तरह विकराल होती जा रही है। करप्शन परसेप्शन इंडेक्स-2024 की भ्रष्टाचार की सूची वाले देशों में भारत 96वें पायदान पर पहुंच गया है। साल 2023 में भारत की रैंक 93 थी।

भारत इस सूची में पड़ौसी देशों की ज्यादा बुरी हालत पर कुछ राहत महसूस कर सकता है। भ्रष्टाचार की इस सूची में भारत के पड़ोसी देशों में पाकिस्तान 135 नंबर पर और श्रीलंका 121 पर हैं, जबकि बांग्लादेश की रैंकिंग और भी नीचे 149 पर चली गई है। इस लिस्ट में चीन 76वें स्थान पर है। डेनमार्क सबसे कम भ्रष्ट राष्ट्र होने की सूची में सबसे ऊपर है, उसके बाद फिनलैंड और सिंगापुर हैं। 1995 से 2024 तक भारत में भ्रष्टाचार की औसत दर 78.03 रही, जो 2024 में 96.00 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई और 1995 में 35.00 के रिकॉर्ड निम्नतम स्तर पर पहुंच गई थी।

भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक यानी सीपीआई दुनिया में सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली वैश्विक भ्रष्टाचार रैंकिंग है। यह मापता है कि विशेषज्ञों और व्यवसायियों के अनुसार प्रत्येक देश का सार्वजनिक क्षेत्र कितना भ्रष्ट है। प्रत्येक देश का स्कोर 13 विभिन्न भ्रष्टाचार सर्वेक्षणों और आकलनों से प्राप्त कम से कम 3 डेटा स्रोतों लिया जाता है। ये सोर्स विश्व बैंक और विश्व आर्थिक मंच सहित विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा एकत्र किए जाते हैं। सीपीआई की गणना करने की प्रक्रिया की नियमित रूप से समीक्षा की जाती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जारी की जाने वाली सूची यथासंभव मजबूत और सुसंगत है या नहीं। भारत में विदेशी निवेश अपेक्षाकृत नहीं आने का एक प्रमुख कारण भ्रष्टाचार है। भ्रष्टाचार के कारण भारत की अंतरराष्ट्रीय साख कमजोर है। विदेशी कंपनियां यहां निवेश करने से कतराती हैं। देश के उद्योगपति और लघु व मध्यम व्यवसायी इसकी मार से बच नहीं सके हैं। भारत एक तरफ वैश्विक ताकत बनने की दिशा में अग्रसर है, वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार की जंजीर इसके बढ़ते कदम को रोक रही है। ऐसा देश का शायद ही कोई चुनाव होगा जिसमें प्रधानमंत्री मोदी भ्रष्टाचार का जिक्र नहीं किया हो। मोदी ने लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव के दौरान भ्रष्टाचार पर प्रहार करने में कसर बाकी नहीं रखी। संसद में दिए गए भाषण में उन्होंने कहा था कि मेरे लिए भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई चुनावी जीत या हार के पैमाने पर नहीं है। मैं चुनाव जीतने या हारने के लिए भ्रष्टाचार से नहीं लड़ रहा हूं। यह मेरा मिशन है, मेरा विश्वास है। मेरा मानना है कि भ्रष्टाचार एक ऐसा दीमक है जिसने देश को खोखला कर दिया है। मैं इस देश को भ्रष्टाचार से मुक्त करने और आम लोगों के मन में भ्रष्टाचार के खिलाफ नफरत पैदा करने के लिए पूरे दिल से काम कर रहा हूं।

प्रधानमंत्री के देश से पूरी तरह भ्रष्टाचार के खात्मे के प्रति प्रतिज्ञा लेने के बावजूद यदि यह संक्रामक रोग की तरह बढ़ता ही जा रहा है तो इसके लिए ज्यादातर राजनीतिक दल जिम्मेदार हैं। क्षेत्रीय दलों की हालत यह है कि उनका एकमात्र मकसद किसी भी हालत में सत्ता में बने रहना है। इसके लिए बेशक भ्रष्टाचार से किसी भी हद तक समझौता क्यों न करना पड़े। यही वजह रही है कि इंडिया गठबंधन लगातार चुनावों में शिकस्त खाता रहा है। आश्चर्य यह है कि लोकसभा चुनावों और राज्यों के विधानसभा चुनावों में करारी हार के बावजूद विपक्षी दलों ने भ्रष्टाचार को कभी भी प्रमुख चुनावी मुद्दा नहीं बनाया। भ्रष्टाचार को लेकर हालात ये हैं कि जैसे ही कोई भी विपक्षी दल भ्रष्टाचार का जिक्र करता है, तत्काल सत्तारुढ़ दल न सिर्फ उसके बचाव में उतर आता है बल्कि विपक्षी दल के कारनामे गिनाने लगता है। यही वजह है कि क्षेत्रीय दल अपने राज्यों में मनमानी करने पर आमदा हैं। यदि केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय कोई कार्रवाई करता है तो राज्य के सत्तारुढ़ दल इसे बदले की कार्रवाई करार देने लगते हैं। इसका उदाहरण पश्चिमी बंगाल की ममता बनर्जी सरकार, तमिलनाडु की स्टालिन सरकार और कर्नाटक की सिद्धरमैया की सरकार है। इतना ही नहीं राजनीतिक दलों का भरसक प्रयास होता है कि अदालतों में चल रहे भ्रष्टाचार के मामलों को भी प्रभावित किया जाए।

गौरतलब है कि सीनियर वकील हरीश साल्वे सहित देश के 600 से ज्यादा वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर न्यायपालिका पर सवाल उठाने को लेकर चिंता जाहिर की थी। सीजेआई को लिखी चिट्ठी में वकीलों ने कहा था कि ये समूह न्यायिक फैसलों को प्रभावित करने के लिए दबाव की रणनीति अपना रहा है, और ऐसा खासकर सियासी हस्तियों और भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़े मामलों में हो रहा है। चिट्ठी में कहा गया है कि ये समूह ऐसे बयान देते हैं जो सही नहीं होते हैं और ये राजनीतिक लाभ के लिए ऐसा करते हैं। अपनी चिट्ठी में वकीलों ने ऐसे कई तरीकों पर प्रकाश डाला है, जिनमें न्यायपालिका के तथाकथित 'स्वर्ण युग' के बारे में झूठी कहानियों का प्रचार भी शामिल है। न्यायपालिका तक को प्रभावित करने के प्रयासों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत में भ्रष्टाचार किस हद तक व्याप्त है। देश की भ्रष्टाचार में रैंकिंग बेशक बढ़ रही हो, इसके बावजूद विगत चुनावों में भाजपा अकेली पार्टी रही, जिसने भ्रष्टाचार के खात्मे की बात कही। अन्य दल तो इस मुद्दे पर चर्चा करने तक से कतराते हैं। विपक्षी दलों ने केंद्र के सत्तारुढ दल को भ्रष्टाचार में लपेटने की कई बार नाकाम कोशिश की है, चाहे वह मुद्दा युद्धक विमान राफेल की खरीद का हो या अडानी ग्रुप से जुड़ा हुआ हो। विपक्षी दल सुप्रीम कोर्ट तक में भ्रष्टाचार के मामले को ले गए पर इसे साबित नहीं कर पाए। ऐसा भी नहीं है कि भाजपा भ्रष्टाचार को लेकर दूध की धुली है। भाजपा का दामन थामने वाले विपक्षी दलों के नेताओं के ऐसे मामलों को नजरांदाज किया जाता रहा है। इसके अलावा केंद्र में भाजपा अकेले अपने बलबूते सत्ता में नहीं है, ऐसे में गठबंधन के सहयोगी दलों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से मुंह फेरे रहती है। यही वजह रही है कि केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय की तरफ से इन सहयोगी दलों के खिलाफ एक भी कार्रवाई नहीं की गई।

कोई भी एजेंसी जब किसी राज्य या विभाग में भ्रष्टाचार का मामला पकड़ती है तब इस गुनाह पर पर्दा डालने के लिए यही दलील दी जाती रही है कि भ्रष्टाचार को मिटाना है। इसके बावजूद एक के बाद एक भ्रष्टाचार के मामले सामने आते रहते हैं, पर कोई राजनीतिक दल यह दावा नहीं करता कि उनके शासित राज्य से भ्रष्टाचार पूरी तरह समाप्त हो चुका है। राज्य तो दूर की बात है कि बल्कि किसी दल में इतना भी साहस नहीं है कि यह कह सके कि कोई एक विभाग पूरी तरह भ्रष्टाचार से मुक्त है। फिर विभाग चाहे केंद्र सरकार के हों या राज्यों के। यह निश्चित है कि भ्रष्टाचार इस देश से तब तक नहीं मिटेगा जब तक नेताओं की कथनी और करनी में अंतर रहेगा। नेताओं के साथ नौकरशाहों की भी जिम्मेदारी तय किए बगैर भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ना असंभव है।

(ये लेखक के विचार हैं)

काशी तमिल संगमम संस्कृतियों के अभूतपूर्व संगम

नितिन प्रधान

देश दुनिया में अभी प्रयागराज में संगम तट पर चल रहे महाकुंभ को लेकर भारतीय संस्कृति की चर्चा हो रही है। तीन नदियों के संगम में करोड़ों सनातनी आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। यह क्रम जारी है। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन तक यह सिलसिला देखने को मिलेगा। इसी बीच काशी में गंगा तट पर काशी तमिल संगमम 3.0 चल रहा है। अपने तीसरे संस्करण में यह 24 फरवरी तक सनातनियों के लिए आत्मीय संबंध को नया आयाम देगा। काशी के पवित्र घाटों पर आयोजित काशी तमिल संगमम 3.0 वास्तव में गंगा और गोदावरी के मिलन जैसा अनुभव कराता है। गंगा घाटों पर जब तमिलनाडु और दक्षिण भारत के श्रद्धालु पहुंचते हैं तो यह केवल यात्रा नहीं, बल्कि संस्कृतियों के अभूतपूर्व संगम का उत्सव बन जाता है। काशी तमिल संगमम 3.0 इस भावनात्मक और सांस्कृतिक एकता का सजीव उदाहरण है, जहां दक्षिण और उत्तर भारत की परंपराएं एक-दूसरे में समाहित होती नजर आती हैं। भारत की दो प्राचीन और समृद्ध सभ्यताओं का आत्मीय संगम है। गंगा के किनारे लोग एक-दूसरे को 'वणक्कम काशी' कहकर संबोधित करते हैं, तो यह अनूठा और भावनात्मक अनुभव बन जाता है। काशी तमिल संगमम 3.0 न केवल उत्तर और दक्षिण भारत के बीच संस्कृति सेतु का कार्य कर रहा है बल्कि यह 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की अवधारणा को भी साकार कर रहा है। यह संगमम 3.0 भारतीय परंपराओं, संस्कृतियों और जीवन मूल्यों का उत्सव है, जो विविधताओं के बीच राष्ट्रवाद की भावना को और प्रबल करता है। यह उत्तर और दक्षिण भारत के बीच सांस्कृतिक सेतु के रूप में कार्य कर रहा है। जब तमिलनाडु से यात्री वाराणसी रेलवे स्टेशन पर उतरते हैं, तो उनका स्वागत 'हर हर महादेव' के जयघोष से किया जाता है।

ढोल-नगाड़ों की थाप, स्वस्तिवाचन और पुष्पवष्रा से हर यात्री स्वयं को विशिष्ट अनुभव करता है। कांचीपुरम, जिसे संक्षेप में कांची कहा जाता है, तमिलनाडु का महत्त्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र है। यह क्षेत्र हिन्दू धर्म के प्राचीन तीर्थ स्थलों में से है, यहां कई ऐतिहासिक मंदिर स्थित हैं। कांची पलार नदी के किनारे बसी है, न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है बल्कि अपनी रेशमी साड़ियों के लिए भी प्रसिद्ध है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, ब्रह्मा ने यहां देवी के दर्शन हेतु तपस्या की थी। कांची को मोक्षदायिनी सप्त पुरियों में स्थान प्राप्त है, जिनमें अयोध्या, मथुरा, द्वारका, हरिद्वार, काशी, उज्जैन और कांची शामिल हैं। यह नगरी हरिहरात्मक पुरी के रूप में प्रसिद्ध है, जहां शिवकांची और विष्णुकांची नामक दो भागों में विभिन्न मंदिर स्थित हैं। तमिलनाडु के लोग के लिए काशी केवल तीर्थ नहीं, बल्कि आध्यात्मिक आकषर्ण का केंद्र है। भगवान विनाथ, मां गंगा और देवी विशालाक्षी सदियों से तमिल भक्तों को अपनी ओर आकर्षित करती रही हैं। आदि शंकराचार्य के काशी आगमन और उनके द्वारा अद्वैत वेदांत के प्रचार के बाद, तमिल संतों का काशी से लगाव और गहरा हो गया। काशी केवल शहर नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र है। बाबा विनाथ, काल भैरव, मां अन्नपूर्णा, देवी विशालाक्षी, आंध्र के मल्लिकार्जुन और तेलंगाना के भगवान राजराजेर जैसे तीर्थस्थल भारत की सांस्कृतिक पहचान को परिपूर्ण बनाते हैं। इस पवित्र नगरी ने अनेक संतों और महात्माओं को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान की है, जिसका प्रभाव आज भी तमिल समाज में देखा जा सकता है। काशी का तेलुगु संस्कृति से भी गहरा नाता है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु काशी आते हैं। तेलुगु संतों और आचार्यों ने भी इस नगरी को विशेष रूप से गौरवान्वित किया है। तेलुगु संत तेलंगस्वामी, जिनका जन्म विजयनगरम में हुआ था, को स्वामी विवेकानंद के गुरु रामकृष्ण परमहंस ने काशी का 'जीवंत शिव' कहा था। इसके अलावा, जिद्दू कृष्णमूर्ति और अन्य महान संतों को आज भी श्रद्धा के साथ याद किया जाता है।

काशी और तेलुगु संस्कृति का संबंध साहित्य और आध्यात्मिक परंपराओं में भी स्पष्ट रूप से झलकता है। आंध्र प्रदेश के वेमुलावाड़ा तीर्थ को 'दक्षिण का काशी' कहा जाता है, यहां की मंदिर परंपराओं में 'काशी दारम' (विशेष काला सूत्र) का प्रचलन आज भी है। इसी प्रकार, तेलुगु साहित्य में 'काशीखंडम' जैसे ग्रंथ काशी की महिमा का बखान करते हैं। समय के साथ काशी में भी व्यापक बदलाव हुए हैं। बाबा विनाथ धाम का पुनरु द्धार, गंगा घाटों का नवीनीकरण और बेहतर परिवहन सुविधाओं ने काशी यात्रा को और सुगम बना दिया है।

(ये लेखक के विचार हैं)

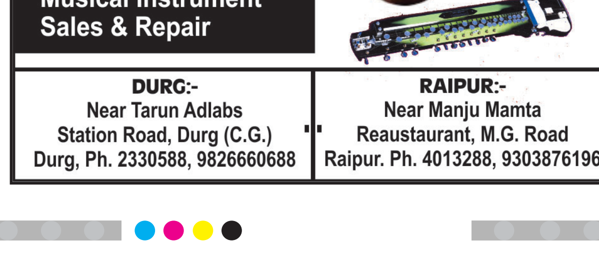

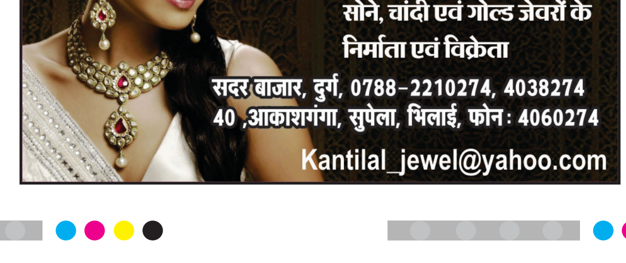

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

खास खबर

स्कूल-कॉलेजों की परीक्षाओं को देखते हुए दुर्ग में लगा लाउड स्पीकरों पर प्रतिबंध, कलेक्टर ने जारी किया आदेश

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी ने स्कूल व कॉलेजों की परीक्षाओं को देखते हुए ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर प्रतिबंध लगाया है। ध्वनि विस्तारक यंत्रों को दुर्ग जिले में 30 जून 2025 तक के लिए प्रतिबंधित किया है। कलेक्टर ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। कलेक्टर ने अपने आदेश में कहा है कि ध्वनि प्रदूषण, विनिमय एवं नियंत्रण नियम-2000 एवं कोलाहल नियंत्रण अधिनियम-1985 की धारा-18 में प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए रात्रि में ध्वनि विस्तारक यंत्रों तथा किसी भी स्त्रोत से निकाली गई इस प्रकार की ध्वनि प्रदूषण जो अध्ययन एवं अन्य कार्य में विघ्न डालती है या जिससे ऐसा विघ्न पड़ना संभाव्य है को संपूर्ण दुर्ग जिले में 30 जून 2025 तक के लिए प्रतिबंधित किया है। जिला दण्डाधिकारी के आदेशानुसार धार्मिक त्यौहारों, संस्कारों, शादी, उत्सवों, चुनाव प्रचार इत्यादि के अवसर पर व्यक्ति विशेष के पक्ष में ऐसे कारणों से जो लेखबद्ध किये जाऐंगे, में आवश्यक होने पर अनुमति संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय दण्डाधिकारी जिला दुर्ग द्वारा शर्तों के अधीन दी जाएगी। शर्तों के अनुसार-माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का पालन करते हुए ध्वनि विस्तारक यंत्र की उपयोग धीमी स्वर में किया जाए। किसी निजी उपयोग के स्थान की सीमा या किसी व्यक्ति द्वारा अपने निजी यंत्रों का उपयोग किया जा रहा है।

जेल से रिहा हुए विधायक देवेन्द्र, रायपुर सेंट्रल जेल में 6 माह बंद थे, सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत, समर्थकों का हुजूम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बलौदा बाजार हिंसा मामले में 6 माह से जेल में बंद भिलाई नगर विधायक शुक्रवार शाम को जेल से रिहा हो गए। सेंट्रल जेल रायपुर के बाहर विधायक देवेन्द्र यादव के स्वागत के लिए भारी संख्या में समर्थकों की भीड़ मौजूद रही। भिलाई, रायपुर व बलौदा बाजार से सैकड़ों की तदात में विधायक के समर्थक रायपुर पहुंचे। सेंट्रल के बाहर लगातार देवेन्द्र यादव जिंदाबाद के नारे लगते रहे। सेंट्रल जेल से बाहर निकलने के बाद समर्थकों ने उन्हें चारों ओर से घेर लिया।

बता दें 10 जून 2024 में बलौदाबाजार में सतनामी समाज के विरोध प्रदर्शन के दौरान कलेक्टर और एसपी ऑफिस जला दिए गए थे। इस मामले में भीड़ को भड़काने, आंदोलनकारी का साथ देने का आरोप लगाकर कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव पर केस दर्ज किया गया था। इस दौरान कई बार उनकी जमानत याचिका खारीज हुई। विधायक देवेन्द्र के वकील ने सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका लगाई जिस पर 20 फरवरी को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत मंजूर करते हुए विधायक देवेन्द्र की रिहाई का आदेश जारी कर दिया। सुप्रीम कोर्ट से इस केस को लेकर दिए गए दिशा निर्देश से जुड़े दस्तावेज बलौदाबाजार की अदालत में पेश किए गए। प्रक्रिया पूरी होने के बाद शुक्रवार शाम को विधायक देवेन्द्र यादव जेल से रिहा कर दिए गए।

समर्थकों का उमड़ा हुजूम

देवेन्द्र यादव को जमानत की मिलने की खबर के बाद उनके समर्थकों में जश्न का माहौल दिखा। 20 फरवरी को भिलाई में उनके समर्थकों ने मिठाई बांटकर व आतिशबाजी कर खुशीं मनाई। वहीं शुक्रवार को उनकी रिहाई से पहले ही सेंट्रल जेल के गेट के सामने देवेन्द्र यादव के समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी। भिलाई के साथ ही रायपुर व बलौदाबाजार से भी विधायक देवेन्द्र यादव के समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी। समर्थक यहां लगातार नारेबाजी करते रहे। सेंट्रल जेल से रिहा होने के बाद देवेन्द्र यादव ने समर्थकों का अभिवादन स्वीकार किया। इसके बाद वे सीधे भिलाई के लिए रवाना हो गए।

सुप्रीम कोर्ट में विधायक देवेन्द्र की दलील

जमानत याचिका के साथ विधायक देवेन्द्र ने जो दलील दी उसके कारण सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका मंजूर की। विधायक देवेंद्र यादव की ओर से दी गई दलील में कहा गया कि बलौदाबाजार हिंसा घटना वाले दिन वह सिर्फ सभा में शामिल हुए। नतो वे मंच पर गए और न किसी भी प्रकार का भाषण दिया। जब किसी प्रकार का भाषण नहीं दिया तो भीड़ को उकसाने वाली बात कहां से आई। विधायक देवेन्द्र ने कहा उनके कार्यक्रम स्थल से लौटने के बाद यह सारा घटनाक्रम हुआ। जहां हिंसक घटना हुई वहां देवेंद्र यादव मौजूद नहीं थे। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी गिरफ्तारी भिलाई में उनके घर से हुई जो की घटनास्थल से कई किलोमीटर दूर है।

जानिए क्या है बलौदाबाजार हिंसा का पूरा मामला

बता दें 15 मई 2024 को सतनामी समुदाय के धार्मिक स्थल गिरौदपुरी धाम से करीब 5 किमी मानाकोनी बस्ती स्थित बाघिन गुफा में लगे धार्मिक चिन्ह जैतखाम को देर रात क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। इस घटना के बाद समाज के लोगों में काफी आक्रोश था। घटना के बाद 19 मई को पुलिस ने इस मामले में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि नल-जल योजना कार्य में ठेकेदार पैसे नहीं दे रहा था। इसलिए शराब के नशे में आरोपियों ने तोड़फोड़ कर दी लेकिन इस कार्रवाई से समाज के लोग संतुष्ट नहीं थे। इस बीच 10 जून को बलौदाबाजार में प्रदर्शन के दौरान लोग अचानक से उग्र हो गए। हिंसा के दौरान कलेक्टर-एसपी दफ्तर में आगजनी की गई। कई गाड़ियां जला दी गई। इसके बाद कई जनप्रतिनिधि समेत करीब 200 लोगों की गिरफ्तारी हुई। प्रदर्शन में एक वीडियो सामने आया जिसमें देवेंद्र यादव भी शामिल दिखे। इस मामले में उन्हें नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया गया। एक बार वे पूछताछ के लिए बलौदाबाजार भी पहुंचे। इसके बाद 17 अगस्त को भिलाई के सेक्टर पांच स्थित उनके निवास से उनकी गिरफ्तारी हुई थी।

महाशिवरात्रि पर भोले बाबा की बारात में शामिल होंगे 50 हजार से ज्यादा लोग, दया सिंह ने बताया कैसा रहेगा इस बार का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति द्वारा हर साल की तरह इस साल भी भव्य रूप से भोले बाबा की बारात का आयोजन किया जा रहा है। लगातार 16 वें वर्ष इस आयोजन को धूमधाम से करने की पूरी तैयारियां कर ली गई है। इस बार भोले बाबा के बाराती के रूप में 50 हजार से ज्यादा लोगों के शामिल होने की संभावना है। बारात में शामिल होने के लिए बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति द्वारा 31 हजार आमंत्रण कार्ड बांटे गए। आयोजन को लेकर बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति के अध्यक्ष दया सिंह ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता ली और पूरे आयोजन की जानकारी दी।

दया सिंह ने बताया कि महाशिवरात्रि पर भोलेबाबा की बारात का इंतजार भिलाई-दुर्ग समेत प्रदेश भर के लोगों को हर साल रहता है। बारात की भव्यता इतनी होती है कि इसे देखने के लिए प्रदेश भर से लोग आते हैं। इस बार 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के अवसर पर हर साल की तरह इस साल भी इंदिरा नगर हथखोज से भोलेबाबा की बारात निकलेगी। पिछले साल की तूलना में इस इसकी भव्यता और अधिक रहेगी। इस बारात को सफल बनाने के लिए आयोजक बोलबम सेवा कल्याण समिति के पदाधिकारी युवा विंग, महिला विंग एवं सदस्य विगत दो माह से जुटे हुए है यह आयोजन का 17वाँ वर्ष है। देश के प्रधान मंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी, महामहिम राज्यपाल रमेन डेका, प्रदेश के

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधान सभाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से लेकर केन्द्रीय मंत्री और पूर्व केबिनेट मंत्रियों विधायकों सहित कई प्रमुख लोगों को व राजनेताओं को आमंत्रण कार्ड दिया गया है सभी भोले बाबा की बारात में शिरकत करने पहुंच रहें है। अधिकांश लोगों ने आने की स्वीकृति दी है।

इन रूट्स से होकर गुजरेगी बाबा की बारात

दया सिंह ने बताया कि भोले बाबा की बारात दोपहर 2 बजे से निकलेगी। बारात दोपहर 2 बजे इंदिरा नगर हथखोज वार्ड नं.01 से प्रस्थान कर राम जानकी शिव मंदिर में पूजा अर्चना होगी। ट्रांसपोर्ट नगर होते हुए केनाल रोड, कार्तिकेय चौक, योलबम चौक, नंदी तिराहा, जोन-। शिव मंदिर होते हुए जोन-2 श्रीराम चौक होते हुए दुर्गा मैदान खुर्सीपार में विवाह स्थल पर समापन होगा। बारात के लिए सैकडों की संख्या में वालेंटियर्स नियुक्ति किए गए हैं। भोले बाबा की बारात की व्यवस्थाओं के लिए अलग अलग समितियां बनाई गई हैं जो पूरी जिम्मेदारी संभालेंगे। बारात की शुरुआत से लेकर आतिशबाजी, भंडारा, महिला समिति, पूजा प्रभारियों से लेकर अन्य व्यवस्थाओं के लिए समितियों का गठन किया गया है।

आयोजन के लिए इन्हें आमंत्रण

दया सिंह ने बताया कि प्रदेश भर में लोगों को आमंत्रण कार्ड दिया गया। राजनेताओं से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों को भोले बाबा की बारात में शामिल होने के लिए आमंत्रण कार्ड दिया गया है। आमंत्रण कार्ड देने का श्रीगणेश सेक्टर-5 स्थित गणेश मंदिर से किया गया। आयोजन का पहला आमंत्रण कार्ड भगवान गणेश जी को दिया जाता है ये परंपरा कायम है। पूजा व्यवस्था की जिम्मेदारी कान्हा महाराज पर होगी। बारात के लिए पूर्व राज्यसभा सांसद सरोज पांडेय, दुर्ग सांसद विजय बघेल प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण देव सिंह, पूर्व नेताप्रति पक्ष धरम लाल कौशिक, भाजपा पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री संगठन संजय जोशी नईदिल्ली, पूर्व मंत्री प्रेम प्रकाश पांडेय, विधायक रिकेश सेन, पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल, पूर्व गृह मंत्री रामसेवक पैकरा, केबिनेट मंत्री केदार कश्यप, भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विक्रम उसेंडी, प्रदेशाध्यक्ष नगरी निकाय प्रकोष्ठ प्रफुल्ल विश्वकर्मा, भिलाई भाजपा अध्यक्ष पुरूषोत्तम देवांगन, अरूण देव गौतम डीजीपी, आईजी दुर्ग राम गोपाल गर्ग, एसएसपी- जितेन्द्र शुक्ला सहित प्रदेश के सभी उद्योगपतियों एवं प्रतिष्ठित लोगों के साथ संबंधित थाना क्षेत्रों के प्रभारियों को आमंत्रण कार्ड दिया गया है।

151 झांकियां होंगी शामिल

दया सिंह ने बताया कि छत्तीसगढ़ प्रदेश की विभिन्न जिला रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर, वस्तर ककिर, राजनांदगांव, खेरागढ़, गंडई, येमेतरा, बालोद, पाटन, उत्तई, नेवई, पथर्रा, जरवाय, उमदा से 151 झांकियां जिसमें राम, रावण विभिषण भूत, पिश्चाच, राक्षस हजारों की संख्या में आपको भोले बावा की बारात में देखने को मिलेगी। भोले बाबा की बारात में हजारों की संख्या में कलाकार उपस्थित रहेंगे। जो देवी-देवताओं के साथ-साथ भूत-पिशाच का वेष धारण कर भ्रमण करेंगे। दुर्ग जिला से झांकी ग्राफिक्स आर्ट के द्वारा राम दरबार की झांकी पन्द्रह फुट, शिव विवाह की झांकी पन्द्रह फुट भोले बाबा बासुकी नाग पर सवारी करते झांकी पन्द्रह फुट, भगवान शिव आंनद मुद्रा में नंदी पर बैठकर भ्रमण करते हुये झांकी मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहेगा।

भोले बाबा की बारात में यह झांकियां होंगी खास

- भोले बाबा की बारात पहली बार आईपीएल की तर्ज पर फायर शो, लेजर शो होगा। आसमान में हर हर महादेव, जय श्रीराम और बोल बम के जयकारें दिखेंगे।
- केरल प्रदेश की 07 झांकिया आ रही है, भगवान शिव ताण्डव करते हुए झांकी, मां काली माता का भव्य नृत्य की झांकी, गरूणा नृत्य की झांकी, मोर नृत्य की झांकी, भगवान गणेश की नृत्य झांकी, हनुमान भगवान की झांकी विशाल रूप समेत अन्य देवी-देवताओं के स्वरूप लेकर झांकियां करते दर्शन देंगे।
- विजय वाडा आंध्रप्रदेश से भी इस बार मां दुर्गा के नवी रूप, पन्द्रह फूट का झांसा देखने की मिलेगी, शिव, पार्वती, अघोरा झांकी, भूत पिशाच, अवघड नृत्य करते हुए पन्द्रह फुट की झांकी। इस बार पिछले बार से काफी कुछ अलग देखने को मिलेगा।
- हरियाणा प्रदेश से भी इस बार पगला बाबा (राम) आर्ट ग्रुप द्वारा भव्य झांकी मनुनी शिवलिंग दर्शन झांकी, भगवान भोलेनाथ की भस्म आरती की झांकी। राधाकृष्ण यूज की होली की की का स्वरूप महाकाली ताण्डव नृत्य की विशाल झांकी।
- कृष्ण जी एवं कालिया नाग के द्वारा जहर उगलते हुए झांकी। कृष्ण जी एवं माता यशोदा की माखन चोरी सहित बाल लीलाओं की झांकी।
- कुम्भ कारण की निद्रा भंग करते हुए लगभग 18 फैट की मूर्तिवाली झांकी। शिव जी की बातरा नंदी में सवार लगभग दस फीट की मूर्ति, साथ पीत पिश्चा एवं देवी देताओं की नृत्य करते हुए बारातियों की झांडी ।
- शिव जी भस्म आरती पंडितों द्वारा। रामेश्वर में राम के द्वारा पूजा करते हुए चलित झांकी। महाशमशान अघोरा बारात की अद्भुत व विचित्र प्रस्तुति
- झांकियों में रामदरबार, श्री कृष्ण लीला, भगवान हनुमान दिव्य रूप, शिव तांडव स्वरूप, शिव मां-पार्वती विवाह मनमनोहक प्रस्तुति, शेषनाग, नरसिंह, अवतार, मां काली का स्वरूप राधाकृष्ण की प्रेम लीला समेत अन्य देवी देवताओं के दर्शन आपको बारात में होंगे।
- इस बार भी राउत नाचा, अखाड़ा, व पंथी नृत्य, डीजे, धुमाल, बैंड बाजा, आकर्षण लाईटिंग के साथ भक्तिमय गीत सुनेंगे।

भिलाई इस्पात संयंत्र और बीएसएफ ने दंडकवन, रावघाट खदान में 31 महिलाओं को सिलाई मशीनों का वितरण किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने सीमा सुरक्षा बल (दंडकवन) की 11 बटालियन के सहयोग से सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की रावघाट माइंस के दंडकवन, कांकेर क्षेत्र में 31 महिलाओं को सिलाई मशीनों का वितरण किया। सिलाई मशीनों का वितरण स्थानीय महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 'ग्रामीणों का कौशल विकास' पहल के तहत किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन 19 फरवरी 2025 को महानिरीक्षक आनंद प्रताप सिंह द्वारा किया गया।

इस अवसर पर कार्यकारी कार्यपालक निदेशक अरुण कुमार और महाप्रबंधक अनुपम बिष्ट और सीमा सुरक्षा बल के वरिष्ठ अधिकारी, उपमहानिरीक्षक बक्षराज कौशल, उपमहानिरीक्षक हरिंदर पाल सिंह

सोही, कमांडेंट शंकर प्रसाद साहू, , कमांडेंट नवाल सिंह, कमांडेंट अनिल सिंह रावत, 2आईसी, ओएफएफजी कमांडेंट रुपेश कुमार सहित बीएसएफ के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय पंचायतों के सरपंच, लाभार्थी और ग्रामीण उपस्थित थे।

मुख्य अतिथिआनंद प्रताप सिंह ने अरुण कुमार और अन्य बीएसएफ अधिकारियों के साथ मिलकर सिलाई मशीनें और यूटिलिटी किट वितरित कीं, जिसमें सिलाई सामग्री, धागा, बाल्टी, मग, बैग, चप्पल और स्टेशनरी शामिल थी। यह पहल स्थानीय महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक व्यापक कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत किया गया। लाभार्थियों का चयन, योग्यता परीक्षा में उनके प्रदर्शन के आधार पर किया गया। जिसके बाद उन्हें सिलाई और वस्त्र निर्माण के विभिन्न रूपों में प्रशिक्षण दिया गया। अपने संबोधन में आनंद प्रताप सिंह (आईपीएस) ने सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के रावघाट खदान द्वारा सीमा सुरक्षा बल के सहयोग से चलाए गए संयुक्त कौशल विकास कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह पहल महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद प्रत्येक महिला अपने परिवार को आगे शिक्षित कर सकती है। आईपीएस सिंह ने कहा, ''महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और विभिन्न जिम्मेदारियों को संभालने में सक्षम हैं। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अन्य महिलाओं को भी सिलाई सीखने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करेगा। मुझे उम्मीद है कि प्रशिक्षण प्राप्त महिलाएं इन सिलाई मशीनों का अच्छे से उपयोग करेंगी, परिश्रम से काम करेंगी, और अपने परिवार की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को सुधारेंगी।''

आरंभ में, आनंद प्रताप सिंह (आईपीएस) ने स्थानीय पंचायतों के सरपंचों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रशिक्षु महिलाओं और बीएसएफ जवानों द्वारा गोंडी, हल्बी, बिहू और भांगड़ा लोक नृत्य और गीतों सहित सांस्कृतिक प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम का समापन, मैत्रीपूर्ण रस्साकशी खेल के साथ हुआ, जिसमें स्थानीय युवा टीम ने बीएसएफ कर्मियों की टीम को हराया।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

जिला पंचायत के नवनिर्वाचित सदस्यों को जिला पंचायत सीईओ एवं रिटर्निंग अधिकारी ने सौंपे प्रमाण पत्र

रायपुर। त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2025 के तहत जिला पंचायत सदस्य हेतु नवनिर्वाचित प्रत्याशियों को जिला पंचायत के सभाकक्ष में जिला पंचायत सीईओ एवं रिटर्निंग अधिकारी विश्वदीप द्वारा विजयी की घोषणा करते हुए उन्हें प्रमाण पत्र सौंपा गया।

जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र क्रमांक 8 से पूजा लोकमणी कोशले क्षेत्र क्रमांक 9 से अन्नू तारक, क्रमांक 10 से चंद्रकला रामचंद्र ध्रुव, क्रमांक 11 से यशवंत धनेंद्र साहू, क्रमांक 12 से भीनू सुजीत घिदौड़े, क्रमांक 13 से कविता हेमंत कश्यप और क्रमांक 16 से गुरू सौरभ साहेब को विजयी होने का प्रमाण पत्र प्रदाय किया गया। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी उमाशंकर बंदे, सहायक रिटर्निंग अधिकारी यूएस अग्रवाल सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

नारायणी ने वृद्धजनों के साथ मनाया स्थापना दिवस, संग्रहालय भी बढ़ा

रायपुर। सामाजिक - साहित्यिक क्षेत्र की अग्रणी संस्था नारायणी साहित्यिक संस्थान ने बुधवार को अपना 8वां स्थापना दिवस वृद्धजनों के साथ मनाया। संस्था की अध्यक्ष डॉ. मृणालिका ओझा ने बताया कि ग्रास रूट सोसायटी द्वारा सुंदर नगर में संचालित प्रशामक देख - रेख गृह (वृद्धाश्रम) में मनाया। इस अवसर पर वृद्धजनों को न केवल भोजन कराया गया अपितु राशन सामग्री, डिशवॉश सहित संस्था में रहने वाले भवतोष, बुधराम जैसे अस्वस्थजनों के लिए चिकित्सकीय सामग्री भी प्रदान की गई।

कैंसर यूनिट, मेकाहारा के पास संचालित चरामेति नि: शुल्क भोज सेवा का आयोजन भी किया गया। विभिन्न भाषा बोलियों के संग्रहालय हेतु तेलुगू (इनाडु , आंध्र ज्योथि)एवं उर्दू भाषा के समाचार पत्र सियासत सहित उर्दू लिपि में सिंधी भाषा के भजनों की पुस्तक रसालो सचल सरमस्त भी प्राप्त हुई। ज्ञातव्य है कि इस संग्रहालय में 60 से ज्यादा भाषाओं के करीब 150 से कैलेंडर एवं अनेक भाषाओं के समाचार पत्र, पत्रिकाएं संग्रहित है। इस अवसर पर राजेंद्र ओझा, किशोर, हृषिक, किअंश, पार्थ एवं देख रेख गृह की ममता शर्मा, ज्योति आदि उपस्थित थे।

एग्रीस्टेक के तहत छत्तीसगढ़ में 2.64 लाख किसानों का पंजीयन

पंजीयन के बाद किसानों का बनेगा सम्पूर्ण डाटाबेस, किसानों का यूनिक आईडी, भूमि रिकार्ड, फसल और बीमा का होगा रिकार्ड

बार-बार केवाईसी की टेंशन नहीं, एक क्लिक में मिलेगा किसानों को सभी स्कीम का लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा एग्रीस्टैक योजना के तहत देश भर के किसानों का डिजिटल डाटाबेस तैयार किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत छत्तीसगढ़ में अब तक 2.64 लाख किसानों का पंजीयन किया जा चुका है तथा 2.63 लाख किसानों को किसान आईडी जारी किया गया है। छत्तीसगढ़ में इस योजना के तहत किसानों का पंजीयन करने में

बालोदाबाजार, कोंडागांव, गरियाबंद व बालोद और महासमुद पांच टॉप जिलों में शामिल हैं।

किसानों को हर सरकारी स्कीम का लाभ लेने के लिए अलग-अलग केवाईसी कराना होता है। एग्रीस्टैक में एक बार पंजीयन कराने के बाद किसान का सम्पूर्ण डाटाबेस तैयार हो जाता है। इसके लिए सरकार की तरफ से बार-बार केवाईसी कराने की टेंशन को खत्म कर दिया गया है. अब किसानों को सिर्फ एक बार केवाईसी कराने पर हर सरकारी स्कीम का लाभ मिल जाएगा. उल्लेखनीय है कि एग्रोस्टैक भारतीय कृषि क्षेत्र के लिए एक डिजिटल ईकोसिस्टम है, जिसे भारत सरकार ने विकसित किया है, जिसका उद्देश्य किसानों का सम्पूर्ण डाटाबेस बनाना है, जिसमें किसानों की पहचान, भूमि रिकार्ड, आय, ऋण, फसल और बीमा की जानकारी समाहित होगा।

किसान कैसे कराएं अपना पंजीयन

किसान सीधे agristack.net/chhattisgarh में जाकर पंजीयन करा सकता है। सबसे पहले इस वेबसाईट में जाकर अपना आईडी बनाना होगा, उसके बाद अपना आधार नम्बर डालकर सबमिट करना होगा। इसके बाद आधार से लिंक मोबाईल नम्बर पर एक ओटीपी आएगा। उसके बाद अपनी व्यक्तिगत जानकारी, जिसमें जमीन, ऋण, बीमा, आदि की जानकारी देनी होगी। अधिक जानकारी के लिए अपने हल्का के पटवारी से सम्पर्क किया जा सकता है।

महंत लक्ष्मीनारायण दास महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव में संबलपुरी नृत्य की रही धूम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्थानीय गांधी चौक स्थित महंत लक्ष्मीनारायण दास महाविद्यालय के वार्षिक उत्सव कार्यक्रम मंथन-2025 में उड़ीसा के संबलपुरी नृत्य और फनी डांस ने जलवे बिखेरे, तो वही गणेश वंदना और सोलो डांस ने बेहतरीन परफॉर्मेंस के बदौलत जमकर तालियां बटोरी। रविंद्र मंच कालीबाड़ी में आयोजित वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रायपुर दक्षिण के विधायक सुनील सोनी तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ल ने की।

कार्यक्रम में शिक्षण समिति के अध्यक्ष अजय तिवारी, सचिव अनिल तिवारी, महेंद्र अग्रवाल महासचिव जैतुसाव मठ विशिष्ट अतिथि के रूप में गरिमामय उपस्थित रही। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. देवाशीष मुखर्जी, सांस्कृतिक प्रभारी डॉ. अनुपमा जैन, क्रीड़ा अधिकारी विजय शर्मा, डॉ. किरण अग्रवाल, डॉ. श्वेता शर्मा, प्रो. प्रीतम दास सहित कई विशिष्ट जनों की विशेष उपस्थिति रही। आयोजन में महाविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए प्राचार्य डॉ. मुखर्जी ने कहा कि महाविद्यालय अपने 25 वर्षो के सर्वोत्तम समय से गुजर रहा है, जहाँ पढ़ाई, शोध एवम खेलकूद के सभी क्षेत्र में महाविद्यालय ने विश्वविद्यालय में अपना अलग स्थान बनाने में कामयाब हुआ है।

मुख्य अतिथि सुनील सोनी ने कहा कि यह महाविद्यालय अब रायपुर का प्रसिद्ध महाविद्यालयों के श्रेणी में सम्मिलित हो चुका है। अब इस महाविद्यालय में प्रवेश के लिए प्रतिस्पर्धा तेज हो गयी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ल ने कहा कि महाविद्यालय शोध एवं अध्ययन-अध्यापन में गहन रुचि के कारण एक विशिष्ट स्थान प्राप्त कर चुका है। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी फिल्म उद्योग के विशिष्ट कलाकारों ने भी अपनी शानदार प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति में कलाकारों के साथ छात्र-छात्राओं ने भी जमकर डांस किया और आनंद में रहे। यह कार्यक्रम दोपहर 12 बजे प्रारंभ हुआ जो शाम 5 बजे तक चलता रहा। इस दौरान अनुशासन के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। 5 घंटे के संपूर्ण आयोजन में नारी शक्ति पर आधारित डांस, दक्षिण भारतीय नृत्य, योग आधारित नृत्य, राधा कृष्णा ग्रुप द्वारा प्रस्तुत नृत्य और राष्ट्रीय सेवा योजना के नृत्य ने कार्यक्रम शमा बांध दिया। कार्यक्रम में मौजूद दर्शकों ने भी खूब डाँस कर कार्यक्रम के रंग में रंग गए

कार्यक्रम में तालियां हरदम बजते रही वही सभी परिस्थितियों के बीच सेफ एंड सोहेल ग्रुप के द्वारा गानों पर भी छात्र-छात्राओं का आनंद कई गुना उत्साह के साथ दिखलाई पड़ा । अंत में मौजूद अतिथियों ने छात्र-छात्राओं को आशीर्वाद प्रदान कर उज्जवल भविष्य की कामना की । कार्यक्रम का सफल संचालन महाविद्यालय के हिंदी विभाग की प्राध्यापक डॉ. किरण अग्रवाल एवं महाविद्यालय की एलूमनी छात्रा दीक्षा शुक्ला ने किया एवं आभार प्रदर्शन डॉ. अनुपमा जैन ने किया।

स्वयं सिद्धा समिति ने की ज्ञान संचार कार्यक्रम का आयोजन

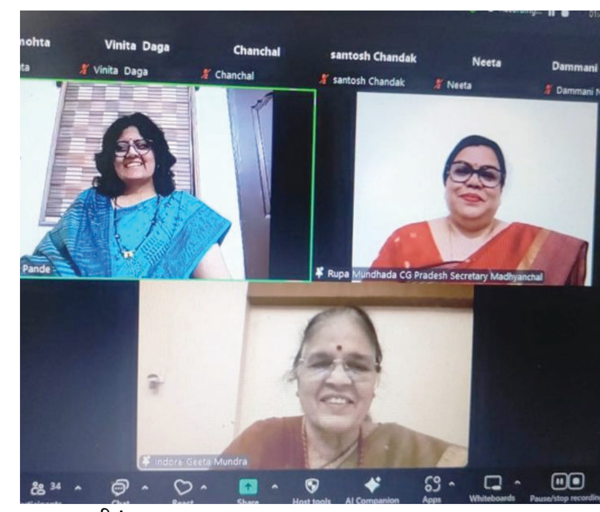

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत स्वयं सिद्धा समिति के द्वारा ज्ञान संचार कार्यक्रम का आयोजन झूम प्रांगण में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में सामाजिक महिला सेवा ट्रस्ट व सभा के द्वारा बनाए गए विभिन्न ट्रस्टों की जानकारी इंदौर से राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्ष गीता मुंदड़ा के द्वारा दी गई। महिला ट्रस्ट महिलाओं ने शुरू किया और पूर्णत: महिलाओं के लिए कार्य करता है। और सभा की योजनाएं सभी के लिए रहती है जो हमारे आर्थिक ,बीमारी, शिक्षा, बिजनेस जैसी अनेक समस्याओं में हमारी मदद करता है। उसे कैसे हमें फॉर्म फिलप करना है, हमारी क्या प्रायोरिटी है, पूरी तरह से बताया गया।

शताब्दी पांडे के द्वारा सरकारी योजनाओं के बारे मे बहुत सारी जानकारी दी गई जिसका हम लाभ उठाकर अपने आप को स्वावलंबी व दूसरों की भी सहायता कर सकते हैं। जैसे पीएम विश्वकर्मा सिलाई योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, राष्ट्रीय महिला आयोग के द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार योजना, अन्नपूर्णा योजना, विकास योजना, महिला शक्ति योजना स्टार्टअप, स्टैंड अप जैसी कई महत्वपूर्ण योजनाओ पर जानकारी दी गई। विशेष अतिथि राष्ट्रीय महामंत्राणी ज्योति जी राठी ने इस कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा की। जरूरतमंद लोगों तक जानकारी देने की अपील की। प्रदेश अध्यक्ष शशि गट्टानी ने इस कार्यक्रम को जनहित के लिए बहुत उपयोगी बताया।

कार्यक्रम का संचालन प्रदेश सचिव रूपा जी मुंदडा के द्वारा किया गया। 45 बहनों ने अपनी उपस्थिति देखकर इस कार्यक्रम को सफल बनाया।हमारे ट्रेनर का परिचय निधि चांडक व के द्वारा व प्रश्नोत्तरीय, आभार पल्लवी टावरी ने किया। कार्यक्रम संयोजिका स्वयं सिद्धा समिति शशि बागड़ी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रदेश कुनबी समाज ने मनाया छत्रपति शिवाजी की जयंती, कल निकलेगी रैली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कुनबी समाज महासंगठन के पदाधिकारियों द्वारा छत्रपति शिवाजी भवन में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर समाज के गणमान्य व्यक्तियों एवं पदाधिकारियों ने शिवाजी महाराज के जीवन और उनके आदर्शों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने छत्रपति शिवाजी महाराज के राष्ट्र निर्माण में योगदान, उनके अद्वितीय नेतृत्व कौशल तथा समाज सुधार के प्रयासों पर विस्तृत चर्चा की। समाज के युवाओं को उनके विचारों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया गया। इसके साथ ही 23 फरवरी को आयोजित होने वाली भव्य रैली की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक भी संपन्न हुई।

इस बैठक में समाज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया और रैली की रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया। रैली का उद्देश्य शिवाजी महाराज के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना तथा समाज की एकता व जागरूकता को बढ़ावा देना है। यह बैठक प्रदेश अध्यक्ष रंजीत मुनेश्वर की अध्यक्षता मे संपन्न हुई। इस बैठक की जानकारी प्रदेश सचिव अमित डोये से प्राप्त हुई। साथ ही इस विशेष बैठक मे सारिका गेडेकर, अनामिका ब्राम्हणकर, मनीषा बारसे, गार्गी गेडेकर, हेमलता शिवनकर, वनिता कुथे, लता झलके, रिंकू हूकरें, संगीता भंडारकर, यमु फूंडे, दीपक गेडेकर, गोपाल कुथे, हेमराज हथिमरे, वासुदेव फूंडे सम्मिलत हुऐ थे।

'प्रोजेक्ट अमृत': कल देशभर में जल स्रोतों की सफाई अभियान

रायपुर। संत निरंकारी मिशन आध्यात्मिक जागृति के साथ समाज की सेवा भी विभिन्न प्रकार के सामाजिक अभियानो से कर रहा है। वर्ष 2023 के फरवरी माह से प्रोजेक्ट अमृत के तहत स्वछ जल स्वछ मन परियोजना संत निरंकारी मिशन द्वारा आरंभ की गई। बाबा हरदेव सिंह की शिक्षाओं से प्रेरणा लेकर इसे आरंभ किया गया। समाज के सभी वर्गों के द्वारा इस परियोजना की बहुत सराहना की गई। निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के पावन आशीर्वाद से इस वर्ष भी 23 फरवरी सान 2025 को सम्पूर्ण भारत वर्ष मे जल के लगभग 400 स्थानो के विभिन्न जल श्रोतों की सफाई का प्रोजेक्ट अमृत के तहत करने का निर्णय लिया गया है। रायपुर में इस बार पुरेना तलाब में यह अभियान चलाने का निर्णय रायपुर ब्रांच के जोनल इंचार्ज गुरबक्श सिंह कालरा ने लिया है। इस अभियान मे लगभग 400 सेवादार भाइयों और बहनों के भाग लेने की संभावना है। संत निरंकारी मिशन की सामाजिक शाखा संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन अन्य अनेक सामाज कल्याण के कार्य अनेक वर्षों से किए जा रहे हैं। जैसे रक्त दान, वृक्षा रोपण, स्वच्छता अभियान आदि जिसे समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा सराहा जाता रहा है।

मार्कण्डेय महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि की तैयारियां जोरों पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महाशिवरात्रि पर्व के निमित्त राजधानी के शिवालयों में तैयारियों को लेकर उत्साह और उमंग का दृश्य सबको भक्ति और श्रद्धा से आप्लावित कर रहा है। राजधानी के अनेक प्राचीन शिवालयों में से एक 'मार्कण्डेय महादेव मंदिर' की ख्याति से सभी अवगत हैं, जहाँ इन दिनों महाशिवरात्रि पर्व पर विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियों को अंतिम रूप देने में मंदिर संचालन समिति के पदाधिकारी और सदस्य सतत जुटे हुए हैं। महाशिवरात्रि पर्व इस मंदिर में दिन-रात पूजन-अर्चन के साथ ही भक्ति-संगीत के कार्यक्रम रखे जाते हैं जिसमें काफी संख्या में श्रद्धालु भक्त शामिल होकर भगवान शिव की आराधना करते हैं।

रायपुर के पेंशन बाड़ा और टैगोरनगर से लगी आवासीय कॉलोनी विवेकानंद नगर में स्थित यह मंदिर सम्पूर्ण शिव परिवार, मार्कण्डेय एवं यमराज सहित विभिन्न अवतारों का प्रतिष्ठित मंदिर है। कभी मंदिर के पास ही बिल्व-पीपल-बरगद का एक विशाल युग्म वृक्ष हुआ करता था, जो कतिपय भूमाफियाओं की लालच का शिकार होकर नष्ट हो गया। यहाँ नाग-नागिन का एक जोड़ा भी रहता था, जो संभवत: भू-माफियाओं द्वारा की गई तोड़फोड़ के बाद काल कवलित हो गया। देखने वालों ने तो शिव पिंडी से लिपटे इस निरापद नाग-नागिन के जोड़े का दर्शन भी किया है! कहा जाता है कि जब यह आवासीय कॉलोनी अपना स्वरूप ही नहीं ले पा रही थी, तब कॉलोनी के

मूल ले-आउट के अनुरूप इस अद्भुत मंदिर की स्थापना की गई जिसका लोकार्पण सन् 1966 में परमविदुषी सरोजबाला ने किया था। वर्तमान में इस मंदिर में श्रीराम दरबार और श्रीराधाकृष्ण के साथ ही पवनसुत हनुमान के विग्रह भी विराजित हैं। मंदिर समिति के प्रयासों से मंदिर के पृष्ठभाग में पर्यावरणीय दृष्टि से काफी वानस्पतिक पौधों का रोपण करके उनका संरक्षण किया जा रहा है। इससे मंदिर परिसर की सुरम्य हरीतिमा की छटा भी श्रद्धालु भक्तों को आकर्षित कर रही है।

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मार्कण्डेय महादेव मंदिर समिति द्वारा उत्साहपूर्वक की जा रही तैयारियों के तहत रंग-रोगन व साज-सज्जा करके मंदिर को नयनाभिराम स्वरूप प्रदान किया जा रहा है। मार्कण्डेय महादेव मंदिर समिति के सभी सदस्य मार्कण्डेय महादेव मंदिर समिति के सभी सदस्य महाशिवरात्रि पर्व की तैयारियों में जुटे हुए हैं।

काकाजी स्वीट दुकान में गन्दगी, 2 हजार रुपए का जुर्माना

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर में प्राप्त स्वीट दुकान में गन्दगी से से सम्बंधित जनशिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी लेने रायपुर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार नगर निगम के जोन 9 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय के मार्गनिर्देशन में नगर निगम जोन 9 के स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा जोन स्वास्थ्य अधिकारी बारोन बंजारे के नेतृत्व एवं जोन स्वच्छता निरीक्षक भोला तिवारी की उपस्थिति में नगर निगम जोन 9 क्षेत्र के तहत डॉ। भीम राव अम्बेडकर वार्ड नम्बर 9 के अंतर्गत मोवा क्षेत्र में काकाजी स्वीट दुकान की स्वच्छता व्यवस्था का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान स्वीट दुकान में गन्दगी मिलने से सम्बंधित प्राप्त जनशिकायत सही पायी गयी। इस पर नगर निगम जोन 9 जोन कमिश्नर के निर्देश पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी ने स्वीट दुकान के सम्बंधित संचालक को भविष्य के लिए चेतावनी देते हुए स्थल पर तत्काल स्वीट दुकान संचालक पर 2000 रूपये का जुर्माना किया एवं प्राप्त जनशिकायत का त्वरित निदान किया।

दीपिका कक्कड़ ने बीच में ही छोड़ा शो, सामने आ गई वजह

शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' से दीपिका कक्कड़ टीवी की दुनिया पर वापसी कर रही है। हालांकि अब सुनने में आ रहा है कि दीपिका सो छोड़ चुकी है। आखिर किस वजह से उन्होंने शो से किनारा किया, इसकी वजह आपको बताते हैं।

ससुराल सिमर का फेम एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ इन दिनों कुकिंग रियलिटी शो सेलिब्रिटी मास्टरशेफमें नजर आ रही है। शो में उन्हें देखकर फैंस काफी खुश है क्योंकि उन्होंने 4 साल बाद छोटे पर्दे पर वापसी की। हालांकि इस बीच सोशल मीडिया पर खबर चल रही कि दीपिका ने शो को बीच में ही क्विट कर दिया है। उन्होंने किस वजह से शो को छोड़ा, इसकी वजह सामने आ चुकी है। सेलिब्रिटी मास्टरशेफ में दीपिका की को-स्टार उषा नाडकर्णी ने बताया कि हेल्थ प्रॉब्लम की वजह से उन्होंने शो को अलविदा कह दिया।

इस वजह से दीपिका कक्कड़ ने छोड़ा सेलिब्रिटी मास्टरशेफ शो

रियलिटी शो सेलिब्रिटी मास्टरशेफ में बतौर कंटेस्टेंट नजर आ रही उषा नाडकर्णी ने आजतक से बातचीत में दीपिका कक्कड़ के शो छोड़ने की बात को कंफर्म किया। उन्होंने कहा कि, उसकी तबीयत ठीक नहीं और उसके हाथ का कुछ प्रॉब्लम है। इसलिए उसने शो छोड़ दिया। उसने एक बार डॉक्टर को दिखाया और दर्द ठीक हो गया था। लेकिन उसका दर्द फिर से चालू हो गया। ऐसे में उसने कहा कि शो से बार-बार आना जाना अच्छा नहीं लगता। लोग क्या बोलेंगे। ऐसे में उसने शो छोड़ दिया। वहीं, दीपिका के पति और एक्टर शोएब इब्राहिम ने अपने व्लॉग में बताया था कि दीपिका के हाथ का दर्द पुराना है और वह वापस आ गया है। डॉक्टर्स ने उन्हें रेस्ट करने की सलाह दी है।

'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' में अब कौन-कौन बचे?

'सेलिब्रिटी मास्टर शेफ' को फराह खान होस्ट करती हैं और शो से चंदन प्रभाकर और अभिजीत सावंत बाहर हो चुके हैं। सबसे पहले चंदन का शो से पत्ता कटा था। फिलहाल शो में अभी उषा नाडकर्णी, राजीव अदातिया, निक्की तंबोली, कबिता सिंह, तेजस्वी प्रकाश, फैसल शेख, गौरव खन्ना, अर्चना गौतम हैं। कुछ समय पहले ही आयशा जुल्का ने बतौर वाइल्डकार्ड एंट्री ली।

इंडस्ट्री में भेदभाव झेल चुकी हैं हिना खान

सांवले रंग की वजह से रातों-रात फिल्म से कर दिया गया था बाहर

छोटे पर्दे से लेकर बड़े पर्दे तक अपना नाम बना चुकी एक्ट्रेस हिना खान स्टेज 3 ब्रेस्ट कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रही हैं। फिलहाल उनका इलाज चल रहा है और वह बहुत ही जल्द इस बीमारी से निजात पा लेंगी। हेल्थ परेशानियों के बावजूद एक्ट्रेस अपने काम के साथ कोई समझौता नहीं कर रहीं। वह लगातार अपनी कमिटमेंट्स को पूरा कर रही हैं। हाल ही में उनकी एक वेब सीरीज 'गृहलक्ष्मी' आई थी, जिसमें उन्होंने शानदार अभिनय किया, लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक्ट्रेस ने बॉलीवुड में भेदभाव झेला है।

जी हां, इस बात का खुलासा खुद एक्ट्रेस ने एक पॉडकास्ट में किया है। हिना खान ने बताया कि कैसे उन्हें इंडस्ट्री में रंगभेद का शिकार होना पड़ा। उन्हें बी-टाउन से एक बड़ा प्रोजेक्ट ऑफर हुआ था, लेकिन बाद में उन्हें उनके स्किन टोन की वजह से बाहर कर दिया गया।

हिना खान को ऑफर हुई थी ये मूवी

आज तक की एक रिपोर्ट के अनुसार, हिना खान ने एक पॉडकास्ट में यह शेयर किया कि उन्हें इंडस्ट्री में भेदभाव का सामना करना पड़ा। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें एक बड़ा प्रोजेक्ट ऑफर हुआ था, लेकिन फिर उन्हें अचानक बाहर कर दिया गया और उनकी जगह किसी और को उसमें कास्ट कर लिया गया। हिना खान ने आगे बताया कि मैं एक कश्मीरी लड़की हूं और मेरा स्किन टोन सांवला है, लेकिन वो चाहते थे कि वह एक फेयर स्किन टोन वाली लड़की को साइन करें।

हालांकि, प्रोजेक्ट क्या था, इसके बारे में मैं ज्यादा जानकारी नहीं दूंगी, लेकिन मैं इसलिए रिजेक्ट हुई, क्योंकि मैं कश्मीरी नहीं दिखती हूं और मेरा स्किन टोन वैसा नहीं है। जब मुझे स्किन टोन की वजह से रिजेक्शन मिला तो बुरा लगा, लेकिन मैंने उम्मीद नहीं छोड़ी। मैंने तय किया कि मैं आगे भी ट्राय करती रहूंगी और ये किरदार नहीं तो कोई और सही।

हिना ने कैंसर सिम्पटम्स को किया था इग्नोर

वहीं, 'अक्षरा' जब फराह खान के घर पहुंची थीं तो उन्होंने अपनी बीमारी के बारे में बात करते हुए यह शेयर किया था कि शुरुआत में उन्होंने अपने कैंसर सिम्पटम्स को यह सोचकर नजरअंदाज कर दिया कि यह सिर्फ एक इंफेक्शन होगा। इस बारे में हिना ने कहा, मुझे पता था कि कुछ गड़बड़ है, लेकिन मैं शूटिंग छोड़कर टेस्ट नहीं कराना चाहती थी। मुझे ये नहीं पता था कि इतना गलत होगा, आप रियल में इतना ज्यादा एक्सट्रीम नहीं सोच सकते कि ऐसा कुछ हो सकता है।

एक्टर वत्सल सेठ ने कन्फर्म की इशिता दत्ता की दूसरी प्रेग्नेंसी

अभिनेता वत्सल सेठ ने हाल ही में अपनी पत्नी इशिता दत्ता की सेकंड प्रेग्नेंसी को कन्फर्म किया है। उन्होंने बताया है कि कैसे एक्ट्रेस ने उन्हें इसके बारे में जानकारी दी। फेमस एक्ट्रेस इशिता दत्ता और अभिनेता वत्सल सेठ इस समय अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। कुछ दिनों पहले यह खबर आई थी कि इस कपल के घर दूसरी बार किलकारियां गूंजने वाली हैं। अब खुद एक्टर ने इस बात को कन्फर्म कर दिया है। इशिता और वत्सल इसे लेकर काफी एक्साइटेड हैं। बता दें कि एक्ट्रेस ने साल 2023 में अपने बेटे वायु का स्वागत किया था और अब वह दूसरी बार प्रेग्नेंट हैं। वत्सल ने हाल ही में दूसरी बार पिता बनने को लेकर बात की। साथ ही यह भी बताया कि इशिता ने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की जानकारी कैसे एक्टर को दी और उसे सुनकर उनका रिएक्शन कैसा था।

ऐसे सुनाई थी इशिता दत्ता ने खुशखबरी

एक रिपोर्ट के अनुसार, वत्सल सेठ ने बात करते हुए बताया कि यह मेरे लिए एक सरप्राइज था और मैं इस सरप्राइज से बहुत-बहुत खुश हूं। जब इशिता ने मुझे प्रेग्नेंसी के बारे में बताया, तो मैं 'ओह वाह' जैसा था। मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा था। एक पिता के रूप में यह मेरे लिए बहुत बड़ी खबर थी, तो मैं बहुत खुश था। इसके आगे उन्होंने शेयर किया कि इशिता हमारे कमरे में आई और मुझे यह खबर सुनाई। मुझे याद है यह उन दिनों की बात है, जब हमारा बेटा वायु बहुत चिड़चिड़ा रहता था। एक्टर ने आगे शेयर किया कि जब हमें इस बारे में पता चला, तो हमने दुनिया को बताने से पहले खुद इसे समझने के लिए समय लिया कि हमारे परिवार का नया सदस्य जुलाई में आने वाला है। हम दोनों ने माता-पिता के तौर पर, इस बारे में बात की है कि कैसे इसे आगे बढ़ाना है, क्योंकि दूसरी प्रेग्नेंसी निश्चित रूप से पहली से काफी अलग होगी।

इशिता दत्ता ने शेयर किया अनुभव

वहीं, इशिता ने ई-टाइम्स से बात करते हुए शेयर किया कि हम इस बार ज्यादा खुश और ज्यादा उत्साहित हैं। वायु के साथ, हर अनुभव नया था। मुझे याद है कि मैं अक्सर डॉक्टर के पास जाती थी, लेकिन इस बार मेरे डॉक्टर हैरान हैं कि मैं उन्हें बार-बार नहीं बुला रही हूं। मेरे माता-पिता हमारे साथ रहने आ गए हैं, इसलिए मेरे पास घर पर एक अच्छा सपोर्ट सिस्टम है। दृश्यम एक्ट्रेस ने पहले मूड स्विंग और प्रेग्नेंसी के बाद की समस्याओं के बारे में बात की थी। जब उनसे इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, यह रियल है। मातृत्व एक अनूठा अनुभव है, लेकिन एक महिला अपने शरीर और बहुत सारे बदलावों से गुजरती है। वत्सल हमेशा एक बड़ा सपोर्ट रहे हैं।

रेजिना कैसांद्रा पंजाबी लड़की बनाम दक्षिण लड़की की भूमिका निभाएंगी

पंजाबी लड़की बनाम साउथ की लड़की की भूमिका निभाने पर रेजिना कैसंड्रा ने पत्रकारों से बात करते हुए पंजाबी लड़की और साउथ की लड़की की भूमिका निभाने के बारे में आश्चर्यजनक बातें बताईं। अपने सफर के बारे में बात करते हुए रेजिना ने कहा कि मैं 9 साल की उम्र से काम कर रही हूँ। मैंने पिछले 25 सालों में विज्ञापन, लघु फिल्में और फिल्में की हैं। इसलिए मैं इस इंडस्ट्री में एक लड़की होने के नाते क्या होता है, इसकी एक निश्चित समझ के साथ आई थी और इस इंडस्ट्री में एक साउथ इंडियन होना आसान नहीं है।

रेजिना ने आगे कहा कि जब मैं हिंदी में किसी भी चीज के लिए ऑडिशन देती हूं तो वे मेरी भाषा कौशल को देखते हैं। क्या यह लड़की हिंदी बोल सकती है? जब वह बोलती है तो उसकी आवाज़ कैसी लगती है? क्या वह अपनी हिंदी पर काम कर रही है? यह बहुत ज़रूरी है। अगर मैं दक्षिण भारतीय की भूमिका निभा रही हूं तो वे उस उच्चारण को थोड़ा रहने देते हैं। लेकिन मैंने हिंदी बोलते समय अपने दक्षिण भारतीय उच्चारण को कम करने की कोशिश की। लेकिन जब बात दक्षिण की आती है तो वहां बहुत सी उत्तर भारतीय लड़कियां हैं जो दक्षिण में हीरोइन बन गई हैं और उन्होंने तमिल या तेलुगु से शुरुआत की और आगे चलकर हैं क्योंकि मेरी हिंदी उतनी अच्छी नहीं थी जितनी लोगों को लग रही थी। जैसे मैं पंजाबी लड़की का किरदार नहीं निभा सकती। और यह ठीक है। लेकिन एक पंजाबी लड़की एक साउथ इंडियन लड़की का किरदार निभा सकती है। और ऐसा मेरे साथ हुआ है। कल्पना कीजिए कि दक्षिण में कोई और व्यक्ति मेरे ऊपर चुना जाता है और उत्तर में भी वही व्यक्ति मेरे ऊपर चुना जाता है। मैं कहां जाऊं?

शमा सिकंदर ने हॉटनेस से सोशल मीडिया पर बरपाया कहर, एक्ट्रेस की अदाओं पर दिल हार गए फैंस

टीवी एक्ट्रेस शमा सिकंदर आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं। उनका बोल्ड और कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस शमा सिकंदर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर और हॉट लुक देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।

एक्ट्रेस शमा सिकंदर हमेशा अपने लुक्स से इंटरनेट पर कहर बरपाती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं।

शमा सिकंदर की लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों में आप देख सकते हैं उन्होंने व्हाइट कलर का फर्ऱ लुक में स्वेटर पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस शमा सिकंदर ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट करने के लिए कानों में इयररिंग्स, खुले बाल और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

शमा सिकंदर की इन फोटोज पर एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मट हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- बोल्ड एंड ब्यूटिफुल। तीसरे यूजर ने लिखा है- हॉट एंड सेक्सी। बता दें कि शमा सिकंदर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। उनका हर एक अंदाज इंस्टाग्राम पर आते ही बवाल मचाने लगता है।

प्लास्टिक के कंटेनर में खाना खाने से हार्ट फेलियर का खतरा

बदलते समय के साथ लोगों की लाइफस्टाइल भी पूरी तरह बदल गई है। पहले जहां लोग घर पर बने खाने को खाना ज्यादा पसंद करते थे, वहीं अब बाहर के खाने का ट्रेंड बहुत ज्यादा है। लेकिन क्या आपको पता है न केवल ये खाना आपकी सेहत के लिए अच्छा नहीं होता बल्कि जिन प्लास्टिक के कंटेनर में ये पैक किया जाता है वो भी आपके लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकते हैं।

एक अध्ययन के मुताबिक, प्लास्टिक के कंटेनर से खाना खाने से कंजेस्टिव हार्ट फेलियर का खतरा बढ़ सकता है। यानि आपको अगर बाहर से पैक होकर आए प्लास्टिक के कंटेनर में खाना खाने के आदत है तो इसे तुरंत बदल लें। इतना ही नहीं अगर आप प्लास्टिक के बर्तनों में खाना खाते हैं या खाना

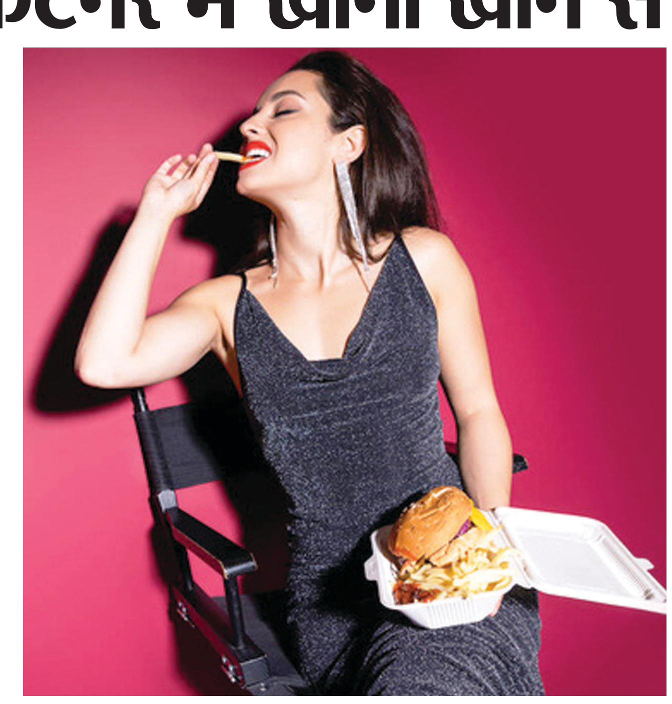

स्टोर करते हैं तो ये आदत सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है। आइए जानते हैं इसके बारे में।

प्लास्टिक के कंटेनर या डिब्बे में खाना रखने से क्या होता है?

साइंस डायरेक्ट डॉट कॉम में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार कंजेस्टिव हार्ट फेलियर का खतरा आंत में होने वाले बदलावों के कारण होता है।प्लास्टिक में मौजूद केमिकल्स शरीर में हार्मोनल असंतुलन कर सकते हैं। क्योंकि प्लास्टिक के बर्तनों में बीपीए और फथलेट्स जैसे केमिकल्स होते हैं। इसके साथ ही मोटापा, हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट फेलियर जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं।

क्या होता है कंजेस्टिव हार्ट फेलियर?

रिपोर्ट के मुताबिक कंजेस्टिव हार्ट फेलियर में हृदय शरीर की जरूर के हिसाब से पर्याप्त मात्रा में खून को पंप नहीं कर पाता है। ऐसी स्थिति को ही हार्ट फेलियर कहते हैं। इस दौरान फेफड़ों और पैरों में खून और तरल पदार्थ जमा होने लगता है। इसे ऐसे समझिए की इस समय आपका दिल काम तो कर रहा होता है लेकिन यह उतना ब्लड पंप नहीं कर पाता जितना उसे करना चाहिए। इसके चलते शरीर के दूसरे हिस्सों में खून जमा होने लगता है। ये कंडीशन आगे चलकर काफी घातक साबित होती है। इससे इंसान की जान तक जा सकती है।

चूहों पर भी हो चुका है शोध

चीनी शोधकर्ताओं ने प्लास्टिक के बॉक्स से होने वाली शारीरिक नुकसानों को लेकर चूहों पर शोध किया था। इसमें पता चला की प्लास्टिक के संपर्क में आने से कंजेस्टिव हार्ट फेलियर का जोखिम काफी हद तक बढ़ जाता है।

उत्तर रामायण पर आधारित लाइट एंड साउंड शो कार्यक्रम ने दर्शकों को किया रोमांचित, महादेव हिरवानी के कार्यक्रम ने बांधा समा

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। राजिम कुंभ कल्प के सांस्कृतिक मंच में 9वें दिन उत्तर रामायण पर आधारित लाइट एंड साउंड शो कार्यक्रम ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। मंच पर बहुत ही सुंदर ढंग से लाइट एवं साउंड के माध्यम से उत्तर रामायण को जीवंत रूप से दर्शाया गया। कार्यक्रम में 50 से अधिक कलाकारों ने प्रस्तुति दी। जिसमें भगवान श्री राम एवं उनके सुपुत्र लव-कुश के बीच संवाद को शानदार तरीके से दर्शाया गया। अवध में आकर लव-कुश ने गीत के माध्यम से राम चरित्र की व्याख्या की। राम द्वारा सीता त्याग के पश्चात उस दुख से उबरने के लिए अश्वमेघ यज्ञ की शानदार प्रस्तुति दी गई। जिसे देखकर दर्शक भावुक हो गए।

लोक कला मंच के महादेव हिरावानी ने बांधा समा

सांस्कृतिक मंच में छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध कलाकार महादेव हिरवानी ने लोक कला मंच की शुरुआत गणेश वंदना से की। गजानंद गौरी के लाल..., भोले बाबा ला कइसे..., तोर कारण बइहा बने..., माटी होही तोर चोला रे संगी..., कर्मा गीत के साथ ही झमाझम प्रस्तुति से बस्तर की लोक संस्कृति का दर्शन कराया। जिसे देख दर्शक भी झुम उठे। लेवेन्द्र चंद्राकर और नारायण पचपेड़िया ने लोक कलामंच के माध्यम से छत्तीसगढ की विभिन्न संस्कृतियों को बहुत ही सुंदर ढंग से समझाया। जिसे दर्शकों ने खूब सराहना की। रमेसर गंर्धव ने लुप्त हो रही नाचा की विधा को मंच पर पुनर्जीवित किया है। नाचा के माध्यम से सामाजिक संदेश भी दिया गया। शंभुराम टोंण्डरे की सतनाम भजन की शानदार प्रस्तुति से दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। श्री विश्वास ने गीत और गजल के माध्यम से दर्शकों को बांधे रखा। अरूण निर्मलकर ने जसगीत झांकी प्रस्तुत दी। जिसमें माता के सेवा गीतों से दर्शक भी भक्ति के रंग मे डूब गए।

देवेन्द्र साहू की टीम ने मानस गायन मे सीता अपहरण के घटना की व्याख्या की। धामसिंग की टीम ने लोक कलामंच की शानदार प्रस्तुति दी। कौशल बाई साहू की टीम ने परम्परिक वेश-भूषा मे सुआ नृत्य हाथ और पैर की सुंदर ताल से प्रस्तुत किया। प्राची निगम ने मनमोहक कत्थक नृत्य की प्रस्तुति दी। महेश पाल ने सुमधुर भजनों, मनीषा साहू की टीम ने मानस गायन एवं दीलिप नवरत्न ने लोक कलामंच की जानदार प्रस्तुति दी। वेदकुमारी ने पंडवानी गायन कपालिक शैली में बहुत ही सुदंर हाव-भाव के साथ प्रस्तुत किया। उन्होंने महाभारत की कथा ला सुनले...., जनम-जनम के दुख मिट जाथे जैसे भजन से मंच को सुशोभित किया। इसी मंच पर शंकर भोला भंडारी..., सगुरी नहाए बर वो..., झन जा राधा होबे लाले-लाल वो..., नदिया के तीर मा पुन्नी के रात... जैसे सुमधुर गीतों को सुनकर दर्शक झूम उठे।

जानकी जयंती पर राजिम में निकाली गई विशाल शोभायात्राः सैकड़ों भक्तों ने किया अमृत स्नान

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। जानकी जयंती के अवसर पर राजिम नगर साहू संघ एवं कबीर सेवा आश्रम राजिम के संयुक्त तत्वावधान में विशाल शोभा यात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा राजिम के मां महामाया मंदिर से निकलकर पं. सुंदरलाल शर्मा चौक से गायत्री मंदिर, व्हीआईवी मार्ग, महोत्सव स्थल को पार करते हुए त्रिवेणी संगम में बने शाही कुंड पहुंचा। जहां पूजा अर्चना के बाद सैकड़ों भक्तों ने अमृत स्नान कियज्ञं

शोभायात्रा में राजिम भक्तिन माता समिति के अध्यक्ष लाला साहू, होरीलाल साहू, नगर साहू संघ राजिम के अध्यक्ष भवानी शंकर साहू, कबीर आश्रम के प्रमुख मेघनाथ साहू, टंकेश्वर सोनकर, अजय पटेल, नंदी शर्मा, घनश्याम साहू, रामकुमार साहू, राजू साहू, विष्णु साहू, तरुण साहू, झाड़ू राम, शिवराम साहू, हरिनाथ साहू, रूपलाल साहू, ईश्वरी साहू, प्रकाश साहू, रमेश साहू, ईश्वर साहू, देवलाल साहू शामिल थे।

सुबह श्रद्धालुओं ने किया पुण्य स्नानः जानकी जयंती के अवसर पर सुबह स्नान करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ अटल घाट, संगम घाट, स्वर्ण तीर्थ घाट, नेहरू घाट, स्नान कुंड में उमड़ी। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने दीपदान भी किया। महिलाओं, पुरुषों सहित बच्चों ने स्नान उपरांत सूर्यदेव को अर्ध्य दिया तथा रेत से शिवलिंग बनाकर जलाभिषेक किया।

तीर्थ नगरी राजिम में जानकी जयंती पर स्नान का विशेष महत्व हैं। लोककथा के अनुसार त्रेता युग में वनवास के दौरान राम, लक्ष्मण सहित देवी सीता राजिम पहुंचकर लोमष ऋषि के दर्शन किए और आगे के मार्ग के लिए उन्होंने मार्ग दर्शन लिया। इस दौरान नदी में स्नान कर देवी सीता ने रेत से शिवलिंग बनाकर जलाभिषेक कर पूजन किया। तब से रेत से शिवलिंग बनाने की परम्परा चल पड़ी। माना जाता है कि इस तरह अनुष्ठान करने से हरि और हर सहित देवी सीता प्रसन्न होकर अबाध कृपा बरसाती है।

राजिम कुंभ कल्प में साहू समाज के भंडारे में लोगों को मिल रहा निशुल्क भरपेट भोजन

राजिम। राजिम कुंभ कल्प मेला में साहू समाज राजिम भक्तिन मंदिर समिति द्वारा प्रतिदिन भोग भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। 12 फरवरी से प्रारंभ हुआ यह भंडारा 26 फरवरी महाशिवरात्रि तक चलेगा। भंडारे में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु निशुल्क भरपेट भोजन प्रसादी ग्रहण कर रहे हैं। भोजन प्रसादी के रूप में चावल दाल सब्जी परोसी जा रही है। समिति द्वारा लाउड स्पीकर से अनाउंस कर मेला घूम रहे लोगों को भोजन के लिए आमंत्रित किया जाता है। प्रतिदिन भंडारे की शुरुआत राजिम माता की पूजा अर्चना के साथ की जाती है। नगर साहू संघ के अध्यक्ष भवानी शंकर साहू के नेतृत्व में प्रसादी वितरण किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी होरीलाल साहू, आकाश सिंह राजपूत, रमेश साहू, ईश्वरी साहू, बाबूलाल साहू, मुकेश साहू, वामन साहू, बादल साहू ने भंडारा में सहयोग प्रदान किया।

राजिम कुंभ कल्प मेला में लगे शासकीय स्टाल में कोसा उत्पादन की दी जा रही जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। राजिम कुंभ कल्प के नवीन मेला मैदान में गरियाबंद जिले के विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई है, जिसमें विभाग के योजनाओं और उनके लाभ बताए जा रहे हैं। ग्रामोद्योग विभाग के रेशम प्रभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल पर लोगों की भीड़ उमड़ रही है। विभाग द्वारा रेशम उत्पादन की प्रक्रिया समझाने के लिए स्टॉल लगाया गया है। स्टॉल में किसान, आम नागरिक, महिलाएं और अन्य लोग पहुंचकर कोसा उत्पादन की जानकारी ले रहे हैं।

स्टाल के प्रभारी राम गोपाल चौहान ने बताया कि कोसा उत्पादन गांव में ही एक रोजगार प्रधान कृषि एवं वन आधारित रोजगार मूलक कार्य है। छत्तीसगढ प्रदेश हरितिमा का परिधान ओढ़े वनाच्छादित राज्य है। खेत किनारे अर्जुन पेड़ पर कोसा फल का उत्पादन किया जा सकता है। अर्जुन पेड़ों की पत्तियों पर कोसा कीड़े के कृमि द्वारा तीस दिन की देख-रेख में कोसा फल बना देते है।

खेतों के मेड़ों पर कोसा के क्रमिक पालन से (बेस्ट खाद के रूप में) खेतों में उपयोग होकर कृषि कार्य में लाभदायी है। अर्जुन पेड़ों एवं पौधों पर पत्ती के आधार पर 50 से 60 कोसा फल बन सकते है। जो कि प्रति कोसा लगभग एक रुपए से दो रुपए अनुमानित के रूप में विक्रय होता है। जिससे किसान कृषि के साथ-साथ कोसा उत्पादन से भी आय अर्जित कर सकते हैं। पूर्ण विकसित कोसा फल में 70 प्रतिशत कोसा फल ही तोड़ कर शेष 30 प्रतिशत को पेड़ पर आगे वंश वृद्धि हेतु छोड़ा जाना अनिवार्य है, ताकि आगे वर्षों में उक्त कोसा फल से नर-मादा कोसा तितलियां बनकर अंडे का विस्तार कर सके। उन्होंने आगे बताया कि राजिम कुंभ में अब तक हजारों लोगों ने इस योजना की जानकारी ली है। कोसा उत्पादन से आर्थिक रूप से मजबूत बन कर अपना जीवन निर्वाह कर सकते है।

राजिम कुंभ कल्प में संत समागम का उद्घाटन

संतों की उपस्थिति से राजिम कुंभ कल्प का महत्व बढ़ा है - डॉ. रमन सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। तीर्थ नगरी राजिम के त्रिवेणी संगम में 21 फरवरी शुक्रवार को विराट संत समागम का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह मौजूद थे। इस अवसर पर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी विशोकानंद महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी प्रेमानंद गिरी, महामंडलेश्वर नवल गिरी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी शैलेशानंद महाराज, महामंडलेश्वर मनमोहनदास महाराज, ब्रह्मचारी डॉ. इंदुभवानंद महाराज, दंडी स्वामी सच्चिदानंद तीर्थ महाराज, संत द्वारकेश महाराज, संत गुरुशरण महाराज (पंडोखर सरकार), महंत नरेन्द्रदास महाराज, स्वामी राजीव लोचनदास महाराज, रामबालक दास महाराज, साध्वी महंत प्रज्ञा भारती सहित विशिष्ट साधु-संतों का सानिध्य एवं आशीर्वचन श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि ये हमारा सौभाग्य है कि यहां पर हमें संतों के आशीर्वाद और उनका दर्शन लाभ मिल रहा है। डॉ. सिंह ने मंच पर ब्रह्मलीन संत कवि पवन दीवान की पुण्यतिथि पर नमन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि विराट संत समागम में संत छत्तीसगढ़ में मौजूद हैं। ये हमारा सौभाग्य है कि प्रयागराज महाकुंभ स्नान के बाद राजिम पहुंचे हैं। हम प्रयागराज को यहां नहीं ला सकते है, लेकिन संतों की उपस्थिति से राजिम कुंभ कल्प का महत्व बढ़ा है। चित्रोत्पला का उल्लेख पुराणों में है।

राजिम कुंभ के संत समागम में रूद्र महायज्ञ का होगा आयोजन, कलश यात्रा के साथ हुआ शुभारंभ

पाटेश्वर सेवा संस्थान के प्रमुख रामबालक दास राजिम कुंभ कल्प में कर रहे 107वां रूद्र महायज्ञ

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। राजिम कुंभ कल्प मेला में त्रिवेणी संगम पर बने संत समागम स्थल पर श्री पाटेश्वर सेवा संस्थान के प्रमुख बालयोगेश्वर रामबालक दास महाराज द्वारा 107 वां रूद्र महायज्ञ 22 फरवरी से शुरू होने जा रहा है। यज्ञ प्रारंभ होने से पूर्व कलश यात्रा का विशेष महत्व होता है। इस अनुष्ठान का आज विधिवत शुभारंभ कर कलश यात्रा निकाली गई, जो संत समागम स्थल से निकलकर मेला क्षेत्र का भ्रमण करते हुए वापस यज्ञ स्थल पहुंचकर संपन्न हुई।

यज्ञ के संबंध में जानकारी देते हुए रामबालक दास महाराज जी ने बताया कि मैंने छत्तीसगढ़ सहित अन्य क्षेत्र में 106 यज्ञ पूरे कर लिए हैं। 107वां यज्ञ इस राजिम कुंभ कल्प में शनिवार से शुरू होगा। यज्ञ के उद्देश्य के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि पर्यावरण की सुरक्षा और जनमानस की मानसिक शांति हेतु यह यज्ञ किया जा रहा है। यज्ञ हमारी सबसे पुरानी परंपरा है। पिछले वर्ष राजिम कुंभ कल्प में मैंने रामोत्सव के रूप में मनाया था और इस वर्ष का कल्प कुंभ माता कौशल्या को समर्पित करते हुए मां कौशल्या महोत्सव के रूप में मना रहा हूं। इसलिए 25 फरवरी मंगलवार को संत समागम स्थल में स्थित मेरे कुटिया शिविर में विशेष मां कौशल्या महोत्सव का आयोजन किया गया है। जिसमें कुंभ कल्प में पधारे समस्त साधु संत अपनी उपस्थिति प्रदान करेंगे।

महाराज जी ने बताया कि बालोद जिले के पटेश्वर धाम में 7 एकड़ भूमि पर माता कौशिल्या का भव्य मंदिर बनाया जा रहा है। जिसमें 2026-27 तक माता कौशिल्या की मूर्ति को उसी धूमधाम से स्थापित किया जाएगा। जिस प्रकार आयोध्या में भगवान श्रीरामलला विराजमान हुए थे। 25 करोड़ की लागत से बनने वाले इस मंदिर में 51 लाख रुपए की मां कौशिल्या की मूर्ति स्थापित की जाएगी।

इसके अलावा छत्तीसगढ़ के सभी धर्म सम्प्रदाय सहित अन्य देवी देवताओं की 108 मूर्तियां भी स्थापित की जाएगी। तीन मंजिला मंदिर में छत्तीसगढ़ के समस्त देवी देवताओं के दर्शन श्रद्धालु एक ही स्थान पर कर सकेंगे।

अति संवेदनशील क्षेत्र के मतदान कर्मियों को हेलीकॉप्टर से किया गया रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2025 के अंतिम चरण 23 फरवरी को ओरछा विकासखंड के 36 ग्राम पंचायतों में निर्वाचन कराया जाएगा जिसके लिए सभी तैयारियां पूर्ण कर लिया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतिष्ठा ममगाईं ने जानकारी दी है कि ओरछा विकासखण्ड में 37 मतदान केन्द्र बनाया गया है, जिसमें से 31 मतदान केन्द्र को शिफ्टिंग किया गया है। ओरछा विकासखण्ड में 21 हजार 437 मतदाता है, जिसमें पुरूष मतदाता 10 हजार 629 और महिला मतदाता 10 हजार 808 अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। उन्होंने जनकारी देते हुए कहा कि मतदान दलों को स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान संपन्न कराने के लिए 10 सेक्टर बनाए गए है, जिसमें रिजर्व सहित 48 मतदान दल बनाया गया है। दो अति संवेदनशील क्षेत्र के कस्तुरमेटा और मोहंदी मतदान केन्दों के लिए पुलिस लाईन से मतदान दलों को हेलीकॉप्टर से रवाना किया गया। रिटर्निंग ऑफिसर ने जानकारी देते हुए बताया कि पंच पद के 393 में से 358 निर्विरोध निर्वाचित हुए है, 35 पंच पद के लिए मतदान कराया जाएगा। इसी प्रकार सरपंच के 36 पदों में से 13 निर्विरोध निर्वाचित हुए है, 23 पदों के लिए मतदान कराया जाएगा। जनपद सदस्य के लिए 11 पद के लिए और जिला पंचायत सदस्य के लिए 3 पदों के मतदान कराया जाएगा। निर्वाचन 23 फरवरी को प्रातः 6.45 बजे से दोपहर दो बजे तक संपन्न कराया जाएगा। मतदान दलो के रवाना के समय जिला पंचायत के रिटर्निंग ऑफिसर आकांक्षा शिक्षा खलखो, जनपद के रिटर्निंग ऑफिसर सौरभ चौरसिया, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर चिराग रामटेके उपस्थित थे।

खास खबर

युवती ने किया आत्महत्या, पुलिस को प्रेम प्रसंग की आशंका

रायगढ़। युवती फांसी के फंदे पर झूल गई। जिसकी जानकारी सुबह परिजनों को हुई। मामले में प्रेम प्रसंग की आशंका जतायी जा रही है। घटना जूटमिल थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी के मुताबिक कहरापारा में रहने वाली अनुराधा साहू उर्फ अन्नू 19 साल जेल कॉम्पलेक्स स्थित ब्यूटी पार्लर में काम करती थी। गुरूवार की रात उसने करीब 12 बजे से साढ़े 4 बजे के बीच अपने निर्माणाधीन मकान के उपर फांसी लगा ली। सुबह जब उसके परिजनों को मामले की जानकारी हुई, तो घटना की सूचना जूटमिल पुलिस को दी गई।

पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को फांसी के फंदे से नीचे उतरवाया। इसके बाद पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। इस संबंध में जूटमिल थाना प्रभारी मोहन भारद्वाज ने बताया कि युवती ने साड़ी से फांसी लगा ली है। मृतका ने किन कारणों से फांसी लगाई है। अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है, लेकिन मामले में प्रेम प्रसंग की आशंका जतायी जा रही है। जिस कारण पुलिस मर्ग कायम कर हर पहलू पर जांच कर रही है।

स्कूल के टॉयलेट में ब्लास्ट, चौथी कक्षा की छात्रा हुई घायल

बिलासपुर। बिलासपुर के सेंट पलोटी स्कूल में सोडियम ब्लास्ट की चपेट में आकर 10 साल की बच्ची बुरी तरह झुलस गई। स्कूल में परीक्षा चल रही थी। करीब सवा 10 बजे क्लास चौथीं की स्टूडेंट बाथरूम पहुंची और टॉयलेट का फ्लश दबाया वैसे ही विस्फोट हुआ। धमाका इतना जबरदस्त था कि स्टूडेंट बुरी तरह झुलस गई। झुलसी बच्ची को निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। दरअसल, स्कूल में परीक्षा चल रही है। गुरुवार को बच्चे परीक्षा देने स्कूल आए ?थे। वहीं क्लास 4 की स्टूडेंट स्तुति भी एग्जाम दे रही थी। इसी दौरान करीब सवा 10 बजे टॉयलेट गई। टायलेट में बच्ची ने फ्लश दबाया तो जोरदार धमाका हुआ।

धमाके की आवाज सुनकर पूरे स्कूल में अफरा-तफरी मच गई। थोड़ी देर बाद जैसे पता चला कि धमाके की आवाज टॉयलेट से आई है तो टीचर्स टॉयलेट की ओर दौड़ पड़े। वहां टीचरों ने अंदर जाकर देखा तो छात्रा फर्श पर बुरी तरह झुलसी हुई पड़ी थी। छात्रा को फौरन निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर, स्कूल प्रबंधन ने इस घटना की जानकारी सिविल लाइन थाने की पुलिस को दी है। मौके पर पहुंची पुलिस को मौके से एक सिल्वर पैकिंग का चिथड़ा मिला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ग्रामीण की हत्या, कुएं में मिली लाश, क्षेत्र में सनसनी

अंबिकापुर। जिले के ग्राम पसरा में हत्या की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां ग्रामीण की धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या कर दी गई। गांव के एक कुएं से ग्रामीण के शव को बरामद किया गया। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज क जांच में जुट गई है। पूरा मामला कोटवानी थाना क्षेत्र का है। अज्ञात आरोपी ने ग्रामीण पर धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान मुन्ना राम चेरवा (40 वर्षीय) के रूप में हुई है। ग्रामीण का शव कुएं में मिला। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बरमाद किया। मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या की धारा के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल आरोपी की तलाश जारी है।

पति ने आग से किया था अधमरा इलाज के दौरान महिला की मौत

कोरबा। कटघोरा थाना क्षेत्र के ढेलवाडीह गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। घरेलू विवाद के चलते पति ने अपनी पत्नी को बेहरहमी से जलाकर मार डाला। पति ने पहले पत्नी को कार में बैठाया और सुनसान इलाके में ले जाकर उसे आग के हवाले कर दिया। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। इस भयावह वारदात में महिला गंभीर रूप से झुलस गई थी, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। कई घंटे तक जिंदगी और मौत के बीच जूझने के बाद उसने दम तोड़ दिया।

पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मृतका के भाई ने चौंकाने वाला खुलासा किया कि उसका जीजा उसकी बहन के चरित्र पर शक करता था। इसको लेकर घर में अक्सर विवाद होते थे और आरोपी अपनी पत्नी के साथ मारपीट भी करता था। बताया जा रहा है कि वारदात गुरुवार तड़के अंजाम दी गई। आरोपी ने पहले पत्नी को घर से सुनसान जगह ले जाकर उसके ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी।

दुर्ग में बकाया वसूलने गए बिजली कर्मी से मारपीट, जान से मारने की दी धमकी

मामला मोहन नगर थाना का, अपराध दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मोहन नगर थाना क्षेत्र में बकाया बिजली बिल वसूली करने गए बिजली विभाग के कर्मचारी के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना शुक्रवार की बताई जा रही है। मारपीट से बिजली कर्मचारी व उसके सहयोगी को चोटें आई हैं। इस मामले में बिजली कर्मचारी की शिकायत पर मोहन नगर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 121(1), 132, 221, 296, 3(5), 351(2) के तहत कार्रवाई की है।

मिली जानकारी के अनुसार बघेरा जोन विधुत विभाग में तकनीशियन वितरण के पद पर पदस्थ गौतम कुमार वर्मा ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि 21 फरवरी 2025 को उनकी ड्यूटी बकाया राशि वसुली एवं बिजली काटने के काम में लगाई गई थी। वह अपने सहयोगी दुष्यंत यादव के साथ शुक्रवार दोपहर को बीडी कालोनी उरला में सोनिया गजभिए के घर पहुंचा। उन्हे बताया कि आपका विधुत बिजली बिल बकाया है उनके द्वारा 4500 रुपए दिया गया। तब गौतम वर्मा ने प्रकाश बिजली ऐप में देखकर उनकी बकाया राशि 5550 रुपए बताया और पूरी राशि जमा करने का अनुरोध किया।

इस दौरान वहां नितेश जैन पहुंच गया और अनावश्यक बहसबाजी गाली गलौज करते हुए बिजली कर्मी का कॉलर पकड़ लिया। बगल में खड़ा उसका साथी अमन रामटेके झूमा झटकी की और थप्पड जड़ दिए। जान से मारने की धमकी देते हुए अमन रामटेके द्वारा उनके साथी दुष्यंत यादव से मारपीट की गई। गौतम वर्मा ने बताया कि नितेश जैन एवं अमन रामटेके ने शासकीय कर्मचारी से मारपीट, अपशब्दो का प्रयोग, धमकी व शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने का कुकृत्य किया है। बिजली कर्मी की शिकायत पर मोहन नगर पुलिस ने नितेश जैन व अमन रामटेके के खिलाफ121(1)-BNS, 132-BNS, 221-BNS, 296-BNS, 3(5)-BNS, 351(2)-BNS के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

नारायणपुर में आईईडी की चपेट में आने से जवान घायल, सर्चिंग पर निकली थी टीम

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में आईईडी की चपेट में आने से एक जवान घायल हो गया है। घटना छोटे डोंगर थाना क्षेत्र की है। बताया जा रहा है कि जवानों की टीम नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर सर्चिंग पर निकली थी, जहां एक जवान आईईडी की चपेट में आने से घायल हो गया जिसे तत्काल उपचार के लिए रायपुर भेजा गया। मिली जानकारी के अनुसार 21 फरवरी को जिला नारायणपुर के थाना छोटे डोंगर से जिला बल एवं डीआरजी की संयुक्त पार्टी सड़क सुरक्षा ऑपरेशन के लिए निकली हुई थी। अभियान के दौरान तोयमेटा और कवानार के बीच जंगल में आईईडी की चपेट में आने से डीआरजी का एक जवान घायल हो गया। घायल जवान की हालत अभी खतरे से बाहर है। घायल जवान को बेहतर इलाज के लिए एयरलिफ्ट किया जा रहा है जिसे बेहतर उपचार के लिए रायपुर भेजा जा रहा है।

चुनाव के दौरान छत्तीसगढ़ में 33 हजार लीटर मदिरा जब्त

मदिरा के अवैध परिवहन मामले में जब्त हुए 10 वाहन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शराब के अवैध संग्रहण, बिक्री और परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत फरवरी के प्रथम पखवाड़े के दौरान आबकारी विभाग ने 33,874 लीटर देशी और विदेशी मदिरा जब्त की है, जिसकी कीमत 2.23 करोड़ रुपये आंकी गई है। जब्त शराब मध्यप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश की है, जिसे अवैध रूप से छत्तीसगढ़ लाकर बेचा जा रहा था। इस कार्यवाही के दौरान 10 वाहन भी जब्त किए गए, जिनकी कुल कीमत 1.59 करोड़ रुपये है।

आबकारी सचिव सह आयुक्त आर. शंगीता ने प्रदेशभर में सतत गश्त और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में कबीरधाम, राजनांदगांव, रायपुर, दुर्ग, कोरबा, बेमेतरा, बलौदाबाजार समेत अन्य जिलों में छापेमारी की गई। बिलासपुर में 1,000 पेटी विदेशी मदिरा बेमेतरा में 780 पेटी विदेशी मदिरा बलौदाबाजार में 776 पेटी विदेशी मदिरा जब्त की गई। कबीरधाम, राजनांदगांव और दुर्ग में भी बड़ी मात्रा में शराब और वाहन जब्त कर आरोपियों पर आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

11 मवेशियों के साथ 1 अंतर्राज्यीय सहित 4 तस्कर हुआ गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अवैध रूप से अशोक लिलैंड मिनी ट्रक में 11 मावेशियों की तस्करी ले रहे 1 अंतर्राज्यीय सहित 4 तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

मुखबीर की सूचना पर माना पुलिस ने टेमरी सिग्नल के पास नाकेबंदी की थी। इसी दौरान आ रहे तिरपाल बंधे मिनी ट्रक को आता देखकर रूकवाया। उसमें 04 व्यक्ति सवार थे, जिन्होंने पूछताछ में अपना नाम विकास कुमार वर्मा, संतोष यादव, शेष नारायण यादव एवं खोरबहारा यादव बताया। ट्रक के पीछे जाकर तिरपाल को खोलकर देखने पर 11 मवेशी अंदर थे।मवेशियों के संबंध में किसी प्रकार का कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर अशोक लिलैंड मिनी ट्रक सी जी 04 एन पी 9077 को जप्त कर धारा 11 (1) घ पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम 1960 के तहत मामला दर्ज करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

बालाघाट मुठभेड़ : 4 महिला ईनामी नक्सली बस्तर संभाग के

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। मध्यप्रदेश के बालाघाट मुठभेड़ में 2 दिन पहले पुलिस ने जिन 4 महिला नक्सलियों को मार गिराया था, उनकी शिनाख्त छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग की निवासी के रुप में हुई है। इन पर छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र पुलिस की तरफसे कुल 62 लाख रुपए का इनाम घोषित था। सभी हार्डकोर नक्सली थीं, एके-47, इंसास, एसएलआर जैसे राइफल चलाती थीं। मध्यप्रदेश पुलिस की माने तो छत्तीसगढ़ के बस्तर में नक्सलियों पर दबाव बढ़ रहा है, इसलिए वहां के नक्सली मध्यप्रदेश में डेरा जमाने और अपना नया ठिकाना ढूंढने पहुंच रहे हैं। जबकि बस्तर आईजी सुंदरराज पी. बताया कि मारे गये 4 महिला नक्सलियों को नक्सल संगठन के बड़े कैडर्स कुछ साल पहले यहां से लेकर गए थे। उन्होने कहा कि बस्तर के लोगों को गुमराह कर नक्सली इनका उपयोग मुठभेड़ में ढाल के रूप में करते हैं और स्वयं बचकर भाग जाते हैं।

बालाघाट के आईजी संजय कुमार के अनुसार मारे गये नक्सली इकाई को 'केबी' डिवीजन के नाम से भी जाना जाता था। केबी डिवीजन की कमांडर आशा थी, जो छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले की रहने वाली थी। उस पर कुल 20 लाख रुपए का इनाम था। महाराष्ट्र में 12 लाख, छत्तीसगढ़ में 5 लाख और मध्यप्रदेश में तीन लाख रुपए का इनाम घोषित था। वहीं रंजीता, शीला और लक्खे मरावी पर 14-14 लाख का इनाम था। रंजीता उर्फ रामली आलमी छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले की रहने वाली थी। इसपर महाराष्ट्र में 6 लाख रुपए, छत्तीसगढ़ में 5 लाख रुपए और मध्यप्रदेश में 3 लाख रुपए का इनाम घोषित था। सरिता उर्फ शीला उर्फ पदम मूल रूप से छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले की रहने वाली थी। महाराष्ट्र में 6 लाख रुपए, छत्तीसगढ़ में 5 लाख रुपए और मध्यप्रदेश में तीन लाख रुपए का इनाम था। वहीं लक्खे मरावी भी सुकमा की रहने वाली थी। इस पर महाराष्ट्र में 6 लाख रुपए, छत्तीसगढ़ में 5 लाख रुपए और मध्यप्रदेश में 3 लाख रुपए का इनाम था। मारी गई नक्सलियों के शव के साथ एक इंसास राइफल, एक एसएलआर राइफल, एक पॉइंट 303 और 315 सिंगल शॉट गन बरामद की गई है।

बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने कहा कि बस्तर में नक्सलियों का आधार क्षेत्र खत्म होता जा रहा है। लगातार हो रहे मुठभेड में नक्सलियों के कई बड़े कैडर्स मारे गए हैं। इसके साथ ही नक्सलियों कई कोर इलाकों को में सुरक्षा बलों के कैंप की स्थापित हो चुके हैं। वहीं हम नक्सलियों से लगातार अपील कर रहे हैं कि वे हथियार डाल दें, हिंसा में कुछ नहीं रखा है, मुख्य धारा में लौट आएं। जिसका असर भी हुआ है, परिणामस्वरूप सैकड़ों की संख्या मे नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है।

फोटोग्राफर से 7 लाख की ठगी, ऑनलाइन जॉब का दिया था झांसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में एक फोटोग्राफर ऑनलाइन ठगी का शिकार हो गया। ऑनलाइन जॉब के चक्कर में फंसे फोटोग्राफर से ठगों ने 7 लाख 20 हजार रुपए वसूल लिए। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जूना बिलासपुर निवासी राकेश शर्मा पेशे से फोटोग्राफर हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि कुछ दिन पहले उन्होंने मोबाइल पर ऑनलाइन जॉब का विज्ञापन देखा था। इसमें संपर्क करने पर उन्हें एक लिंक भेजकर अलग-अलग कंपनियों के विज्ञापन भेजा गया। इसे देखकर स्क्रीनशॉट भेजने पर उन्हें कमीशन बतौर पैसे देने की बात कही गई। इस पर फोटोग्राफर ने विज्ञापन देखकर स्क्रीनशॉट भेजना शुरू कर दिया।

फोटोग्राफर ने पुलिस को बताया कि ठगों ने कमीशन के रूप में एक-दो बार उनके अकाउंट में कुछ पैसे जमा कराए। जिसके बाद उन्हें कंपनी का परमानेंट कस्टमर बनाने के नाम पर पैसों की मांग की। इस पर फोटोग्राफर ने पांच हजार रुपए ट्रांसफर किया। फिर उन्हें बताया गया कि उनके पैसों को शेयर मार्केट में निवेश किया जाएगा। इससे ज्यादा कमाई होगी। ठगों ने फोटोग्राफर के अकाउंट में ज्यादा कमीशन भेजने का झांसा दिया। जिसके बाद लालच में आकर उन्होंने करीब 15 हजार रुपए निवेश कर दिया। इसके बाद उन्हें बताया गया कि उनके रुपए फंस गए हैं। जिसे निकालने के नाम पर उनसे करीब एक लाख रुपए और निवेश करने कहा गया। इस तरह से उन्हें अलग-अलग तरीके से जालसाजों ने फोटोग्राफर से करीब 7 लाख 20 हजार रुपए जमा कराए। बाद में ठगी का एहसास होने पर उन्होंने पूरे मामले की शिकायत कोतवाली थाने में की है। उनकी शिकायत पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।

माइल स्टोन से टकराई तेज रफ्तार कार, लामनी पार्क के पास हादसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। जगदलपुर में लामनी पार्क के पास शुक्रवार की सुबह एक तेज रफ्तार कार माइलस्टोन से टकराते हुए सड़क से नीचे जंगल में जा पलटी इस हादसे में कितने लोग घायल हुए, इस बात की जानकारी किसी को भी नहीं है। घटना इतनी जबरदस्त थी कि कार का चारों पहिया ऊपर हो गया था, जबकि घटनास्थल में कोई भी नही था। मामले की जानकारी देते हुए आमजनों ने बताया कि शुक्रवार की सुबह लामनी पार्क की ओर जा रहे कुछ लोगों ने सड़क से नीचे जंगल में एक तेज रफ्तार कार को पलटी हालात में देख अंदर गए।

इस दौरान कार में कोई भी मौजूद नही था, घटना इतनी जबरदस्त थी कि कार का चारों पहिया उपर की ओर था, जबकि कार का सामने हिस्सा माइल स्टोन से टकराने की वजह से क्षतिग्रस्त हो गया था, आसपास के लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस को जरूर दी, लेकिन कार में कितने लोग मौजूद थे इस बाद कि जानकारी अब तक नही मिल पाई है, फिलहाल कार मालिक का पता लगाया जा रहा है, वही कितने लोग मौजूद थे इसकी भी जांच की जा रही है।

वहीं इस मामले को लेकर बताया जा रहा है कि लामनी रोड पर सुबह कार चालक के सामने पशु के सड़क में आने से वाहन चला रहे उजस मिश्रा घायल हो गए है, बता दे जगदलपुर बालाजी वार्ड निवासी ज्योत्सना मिश्रा के सुपुत्र ओजस मिश्रा जो नानगुर स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ है, जिनकी ड्यूटी चुनाव में लगी थी, नागपुर से वापस आते वक्त सड़क पर पशु के आने से कार अनियंत्रित होकर रोड के नीचे पलट कर गिर गई, जिसमें ओजस मिश्रा को गंभीर चोट आई है, जिसका इलाज जारी है।

फर्जी नियुक्ति पत्र बांटने वाला ठग हुआ गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बस्तर। जिले में शिक्षा विभाग में नौकरी लगाने के नाम पर 2 युवकों से 6 लाख 60 हजार रुपए की ठगी हुई है। पुलिस ने इस मामले के फरार एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले अन्य 2 की गिरफ्तारी हो चुकी है। इन्होंने फर्जी नियुक्तिपत्र बनवाकर युवकों को दिया था। मामला जिले के भानपुरी थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, देवड़ा के दिलीप कुमार कश्यप और कांवड़गांव के चुम्मन राम बघेल की सोनारपाल के नारायण बघेल के साथ जान पहचान थी। वहीं नारायण बघेल ने इन्हें भरोसा दिलाया था कि शिक्षा विभाग में नौकरी लगा दूंगा। लेकिन इसके लिए पैसे लगेंगे। जिसके बाद दोनों युवक नौकरी लगाने के लिए पैसे देने मान गए।

जिसके बाद नारायण बघेल ने अपने दो साथी प्रमोद मौर्य और अभिजीत प्रताप सिंह के साथ मिलकर शिक्षा विभाग में नौकरी लगाने के लिए फर्जी

दस्तावेज तैयार किए। उन्होंने दिलीप कुमार कश्यप से 3 लाख 40 हजार और चुम्मन राम बघेल से 3 लाख 20 हजार रुपए लिए। जिसके बाद एक फर्जी दस्तावेज और नियुक्तिपत्र बनवाकर उन्हें दिया गया। कहा कि अब नौकरी लग गई है, सारी तकलीफ और समस्या दूर हो जाएगी।

जब दोनों युवक शिक्षा विभाग के दफ्तर पहुंचे तो पता चला न ही कोई वैकेंसी थी और न ही उनकी जॉब लगी। जिसके बाद उन्हें पता चला कि उनके साथ धोखा हुआ है। उन्होंने अपने पैसे मांगे। जब पैसे नहीं दिए गए तो दोनों युवकों ने पुलिस थाने में अपराध दर्ज करवा दी है। जिसके बाद पुलिस ने अभिजीत प्रताप सिंह और प्रमोद मौर्य को गिरफ्तार कर लिया था। वहीं मुख्य आरोपी नारायण बघेल फरार था। पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। वहीं करीब 6 से 7 महीने बाद उसे गांव के ही नजदीक से पकड़ा गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि, आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेशकर जेल भेज दिया गया है।

जर्जर टॉवर गिरने से रेडियो प्रसारण बंद

जगदलपुर। बस्तर में आज बड़ा हादसा होते-होते बच गया। जिले के तेली मारेगा में आकाशवाणी केंद्र है, जहां प्रसारण के लिए 150 मीटर ऊंचा टावर लगा हुआ है। करीब 50 साल पहले स्थापित ये टावर काफी जर्जर स्थिति में था, जिसके कारण यह टावर शुक्रवार की दोपहर अचानक गिर गया। हालांकि उस वक्त आसपास कोई कर्मचारी और ग्रामीण नहीं थे, जिसके चलते एक बड़ा हादसा टल गया। इस घटना के बाद इलाके में रेडियो पर प्रसारण बंद हो गया है। बता दें कि करीब 50 साल पहले 1970 में तेली मारेगा में प्रसारण केंद्र की स्थापना की गई थी। इसी वक्त यहां टावर लगाया गया था, जिसके जरिए दूरदर्शन और आकाशवाणी का प्रसारण होता है। ये टॉवर काफी जर्जर हो गया था, लेकिन प्रशासन ने लापरवाही बरतते हुए इस टॉवर को ना ही हटाया और ना ही उसकी मरम्मत कराकर मजबूत किया। इसके चलते ये टॉवर अचानक धराशाई हो गया।

गढ़िया पहाड़ में फिर आगजनी

कांकेर। कांकेर शहर स्थित गढ़िया पहाड़ में फिर से आगजनी की घटना सामने आई है। असामाजिक तत्वों ने गढ़िया पहाड़ में आग लगा दी। पहाड़ से धुंआ निकलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है। फायर वॉचर के साथ आग पर काबू पाने की कोशिश जारी है। जानकारी के मुताबिक, घटना कांकेर वन मंडल की है। यहां शुक्रवार सुबह गढ़िया पहाड़ में आग लगने से भयंकर धुंआ उठने लगा।

नन्ही मुस्कानों के संग मुख्यमंत्री साय ने मनाया अपना जन्मदिन

बालिका गृह के लिए 10 लाख रुपए स्वीकृति की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के खम्हारडीह स्थित शासकीय बालिका गृह पहुंचकर अपना जन्मदिन नन्ही मुस्कानों के साथ सादगीपूर्वक मनाया। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने विशेष दिन को इन नन्हीं मुस्कानों के साथ साझा कर यह संदेश दिया कि समाज के हर वर्ग की खुशियों में भागीदार बनना ही सच्चे नेतृत्व की पहचान है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बालिका गृह में बच्चियों के संग केक काटा, उनके साथ समय बिताया और उनकी मासूम हँसी और बातों को आत्मीयता से सुना। इस दौरान बच्चियों ने अपनी छोटी-छोटी इच्छाएँ उनके सामने रखीं, जिनमें एक साउंड बॉक्स की माँग भी थी। मुख्यमंत्री ने इसे तत्काल पूरा करते हुए बालिका गृह को यह उपहार भेंट किया।इसके अलावा, उन्होंने बालिका गृह में कंप्यूटर, वॉटर कूलर एवं अन्य व्यवस्थाओं के लिए 10 लाख रुपए प्रदान करने की घोषणा की, जिससे यहाँ रह रही बच्चियों की शिक्षा में कोई असुविधा न हो।

मुख्यमंत्री साय ने स्कूली जीवन की यादें की साझा

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर अपने स्कूली जीवन की यादें साझा कीं। उन्होंने बताया कि उनके गाँव का प्राथमिक स्कूल खपरेल वाला था, और बारिश के दिनों में पानी टपकता था। उन्होंने बच्चियों को बताया कि वे भाग्यशाली हैं कि उन्हें एक बेहतर छात्रावास और पढ़ाई के लिए अच्छा वातावरण मिला है। उन्होंने बच्चियों को लगन और मेहनत से पढ़ाई करने की प्रेरणा दी और समझाया कि शिक्षा ही सफलता की कुंजी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने देश-दुनिया के महान व्यक्तित्वों के जीवन संघर्षों का उदाहरण देते हुए कहा कि संघर्षों से घबराने के बजाय, उन्हें अपनी ताकत बनाना चाहिए। उन्होंने बच्चियों को विश्वास दिलाया कि राज्य सरकार उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हर संभव सहायता देगी। उल्लेखनीय है कि बालिका गृह में फिलहाल 57 बच्चियाँ रह रही हैं, जहाँ महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा उन्हें निशुल्क आवास, भोजन, शिक्षा और चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं।

इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा, महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव शम्मी आबिदी, रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के जन्मदिन पर राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास देर रात तक उल्लास और स्नेह के वातावरण से भरा रहा। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, उद्योगपतियों, समाजसेवियों और मीडिया प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी आगंतुकों से आत्मीयता से मुलाकात की और स्नेह, सम्मान और शुभकामनाओं के लिए कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आप सभी के प्रेम और सहयोग से मैं अभिभूत हूँ। छत्तीसगढ़ के उज्ज्वल भविष्य के लिए हम सभी को मिलकर कार्य करना है। आपका निरंतर समर्थन और आशीर्वाद इसी तरह बना रहे, यही मेरी कामना है।

मुख्यमंत्री साय को मिली जन-जन की शुभकामनाएं जन्मदिन पर मुख्यमंत्री निवास बना उल्लास का केंद्र

प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने दी शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री निवास में मंत्रीगण, विधायकों और जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री साय को बधाई दी। इस अवसर पर खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही विधायकगण धरमलाल कौशिक, राजेश मूणत, सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, गजेन्द्र यादव, मोतीलाल साहू, गुरु खुशवंत साहेब, दीपेश साहू और ललित चन्द्राकर ने भी मुख्यमंत्री से भेंट कर जन्मदिन की बधाई दी।

प्रदेशभर से उमड़ा शुभकामनाओं का सैलाब

मुख्यमंत्री श्री साय को प्रदेश के उद्योगपतियों, व्यापारी संगठनों, खेल जगत के प्रतिनिधियों, समाजसेवियों, शिक्षाविदों और मीडिया जगत के वरिष्ठ जनों ने भी शुभकामनाएँ दीं। सोशल मीडिया पर भी मुख्यमंत्री को शुभकामनाओं का तांता लगा रहा, जहां हजारों लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके नेतृत्व में प्रदेश के विकास की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर सभी का आभार व्यक्त करते हुए प्रदेश के सर्वांगीण विकास और समृद्धि के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को आत्मनिर्भर और विकसित प्रदेश बनाने के लिए सरकार प्रत्येक वर्ग के हित में कार्य कर रही है, और यह प्रयास निरंतर जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को जन्मदिवस पर मिला जनता का अपार प्रेम, समर्थन और आशीर्वाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जन्मदिन पर उनका गृह ग्राम बगिया एक भावनात्मक मिलन का केंद्र बन गया। उनके आगमन की सूचना से ही सुबह से लोग उन्हें शुभकामनाएं देने उमड़ पड़े, और दोपहर तक पूरा गांव एक उत्सव स्थल जैसा दिखने लगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जन जन के अपार प्रेम, शुभकामनाएं और आशीर्वाद के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आपके प्यार, विश्वास और स्नेह से मुझे नई ऊर्जा मिलती है। उन्होंने कहा कि मैं आप सभी के आशीर्वाद के लिए हृदय से आभारी हूँ। मेरी कामना है कि यह आत्मीयता और समर्थन सदैव बना रहे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज अपने जन्मदिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय बगिया में परिवारजनों और भक्तों के साथ श्री सत्यनारायण व्रत कथा का श्रवण किया। इस पावन अवसर पर उनकी माता श्रीमती जसमनी देवी, धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय, परिवारजन, स्वजन और बंधु-बांधवों ने भक्तिभाव से कथा का श्रवण किया और भगवान श्री सत्यनारायण की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। कथा के समापन के पश्चात मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने प्रियजनों द्वारा लाए गए

जन्मदिन के केक को सर्वप्रथम अपनी माता श्रीमती जसमनी देवी को अपने हाथों से खिलाकर उनका आशीर्वाद लिया। इसके बाद उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से आत्मीय संवाद किया और सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर कहा कि यह जन्मदिवस उनके लिए निजी उत्सव से बढ़कर एक सेवा का संकल्प दिवस है। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की और छत्तीसगढ़ की समृद्धि, विकास

और शांति के लिए सतत प्रयासरत रहने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर अनेक विशिष्ट जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे, जिनमें प्रमुख रूप से राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह, सांसद राधेश्याम राठिया, सरगुजा विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं विधायक गोमती साय, कृष्णा राय, उर्वशी सिंह, श्री सुनील गुप्ता, शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, श्री ओमप्रकाश सिन्हा , गुरुपाल भल्ला, श्रीकांत सोमवार सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

ब्रह्मलीन संत कवि पवन दीवान को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। ब्रह्मलीन संत कवि पवन दीवान की आज नवमी पुण्यतिथि पर राजिम स्थित उनके ब्रह्मचर्य आश्रम में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस कार्यक्रम के तहत ब्रह्मचर्य आश्रम के ब्रह्मचारी बटुकों द्वारा उनकी आत्मा शांति हेतु यज्ञ हवन आदि अनुष्ठान किया गया। तत्पश्चात भजन गीत का आयोजन किया गया, जिसमें महंत रामसुंदर दास, समिति के अध्यक्ष संतोष उपाध्याय, अर्जुन नयन तिवारी, अरुण शर्मा, अरुण दीवान, अनिल तिवारी, कृष्ण कुमार शर्मा, केके पुराणिक, युवराज शर्मा सहित राजिम के अनेक नगरवासी एवं उनके शिष्य उपस्थित थे।

पुण्यतिथि कार्यक्रम में श्रद्धांजलि देने पहुंचे महंत रामसुंदर दास ने अपनी भावना व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हमें राजिम जैसे तीर्थ और पवन दीवान के तपोभूमि में उपस्थित होने का अवसर प्राप्त हुआ। पवन दीवान ने संस्कृत के प्रचार प्रसार के लिए इस संस्था को स्थापित कर पूरे समर्पित भाव से छत्तीसगढ़ की सेवा की। वे

विधायक, मंत्री और सांसद भी बने। तमाम पदों में रहने के बाद भी उनकी छत्तीसगढ़ी भावना से ओत-प्रोत निश्छल हंसी उनके परिचय का पर्याय थी। वे बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे।

भागवताचार्य होने के साथ ही साथ वे एक अच्छे कवि भी थे। उनकी स्मृतियों को सहेज कर रखने का प्रयास किया जाएगा। उनके द्वारा बनाए गये इस संस्थान में बटुकों को निशुल्क भोजन, शिक्षा, कर्तव्य किया था, उसे समिति पूरी तन्मयता के साथ करते हुए आगे बढ़ाएगी। मेरी भावभरी श्रद्धांजलि उनके प्रति समर्पित है। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे।

मुख्यमंत्री साय ने स्वास्थ्य केंद्र कुनकुरी में डायलिसिस सेंटर का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्रीविष्णुदेव साय ने आज सीएम कैंप कार्यालय, बगिया में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कुनकुरी में चार बिस्तरों वाले डायलिसिस सेंटर का वर्चुअल शुभारंभ किया। यह डायलिसिस सेंटर जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे कुनकुरी और आसपास के मरीजों को अब इलाज के लिए अंबिकापुर या रांची जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में एक और महत्वपूर्ण कदम

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारा प्रयास है कि स्वास्थ्य सुविधाएं जन-जन तक आसानी से पहुंचे। कुनकुरी में डायलिसिस सेंटर के प्रारंभ होने से अब मरीजों को लंबी यात्रा नहीं करनी पड़ेगी और उन्हें घर के पास ही उत्तम उपचार मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जशपुर जिले में स्वास्थ्य सेवाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। यह पहल जिले के नागरिकों को त्वरित, सुलभ और उन्नत चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने की दिशा

में एक बड़ा कदम है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और उन्नत बनाने के लिए कृतसंकल्पित है। जशपुर जिले के नागरिकों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं देने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में कुनकुरी में 220 बिस्तरों वाले आधुनिक अस्पताल की स्वीकृति भी दी जा चुकी है, जिससे जिले के नागरिकों को अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएँ मिल सकेंगी।

डायलिसिस सेवाएं अब और सुलभ

जशपुर जिले में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत गरीब और जरूरतमंद मरीजों को नि:शुल्क डायलिसिस सेवाएँ प्रदान करने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। वर्तमान में जिला चिकित्सालय जशपुर में 5 बिस्तरों वाली डायलिसिस यूनिट, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पत्थलगांव में 3 बिस्तरों वाली डायलिसिस यूनिट संचालित हैं। इसी कड़ी में अब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कुनकुरी में 4 बिस्तरों वाली डायलिसिस यूनिट प्रारंभ की गई है। इससे जिले के 75 से अधिक किडनी रोगी लाभान्वित होंगे, जिन्हें अब लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। अब तक जिले में कुल 217 मरीजों को 18,171 डायलिसिस सेशन दिए जा चुके हैं। उल्लखेनीय है कि इस अवसर पर रायगढ़ सांसद राधेश्याम राठिया, राज्यसभा सांसद श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, कृष्णा राय, सरगुजा विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं विधायक गोमती साय, नव-निर्वाचित दुलदुला बीडीसी शौर्य प्रताप सिंह जूदेव सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950